TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | चार नई श्रम संहिताओं से श्रमिकों को मिलेंगे नए अधिकार... (पेज-3) | पृष्ठ- 6 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 13.11.2026

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में एक बार फिर बरेली अव्वल, रामपुर को मिला तीसरा स्थान

एजेंसी, लखनऊ।

योगी सरकार द्वारा पिछले साढ़े नौ वर्षों से प्रदेश में सुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर धरातल पर साफ देखा जा सकता है। सीएम डैशबोर्ड की अक्टूबर माह की समग्र रैंकिंग में एक बार फिर बरेली ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

वहीं पीलीभीत ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बरेली, पीलीभीत और रामपुर के जिलाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने यह उपलब्धि जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण, बेहतर फीडबैक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधारात्मक पहल से हासिल किया है।

बरेली ने 9.37 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया

बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बरेली में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

इसके साथ ही सीएम डैशबोर्ड के जरिये मिलने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की अक्टूबर माह की रैंकिंग में बरेली को 10 में से 9.37 अंक प्राप्त हुए।

यूपी में चंद्रशेखर-ओवैसी की पार्टी का गठबंधन

सभी 403 सीटों पर लड़ेंगे, चंद्रशेखर सीएम फेस, प्रदेश में 40 प्रति. दलित-मुस्लिम वोट

एजेंसी, लखनऊ।



यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान किया है। इसका नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। गठबंधन यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेसवार्ता में ओवैसी ने कहा कि चंद्रशेखर यूपी में सीएम का चेहरा होंगे। भाजपा को रोकने के लिए हमारा मोर्चा मजबूत विकल्प बनेगा। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। बड़े गठबंधन में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन हमें कमजोर समझा गया।

उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का स्वागत करते हैं। समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। यूपी में मुस्लिम आबादी 19% और दलित आबादी 21% है। गठबंधन की नजर इसी 40% आबादी के वोटों पर है। इस गठबंधन का सीधा असर सपा और बसपा के वोट बैंक पर पड़ सकता है।

अखिलेश यादव बोले- सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का हम स्वागत करते हैं

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। लेकिन, सच में सफलता तभी मिलेगी जब राजनीतिक परिवर्तन मोर्चा सक्रिय होगा। पीडीए समाज के भले के लिए जो भी साम्प्रदायिक ताकतों से सच में लड़ेगा, उसकी ईमानदार आवाज अवाम तक पहुंचाने में हम सहयोग करेंगे। इसका एक फायदा विपक्ष को ये मिलेगा कि भावनात्मक जुमलों और छलावे में आकर जो लोग साम्प्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते थे, वो अब उनकी तरफ नहीं जाएंगे। बहकावे में आकर वोट देने वाले ऐसे भोले-भाले लोगों के लिए अब एक और विकल्प खुला होगा। इससे भाजपा को 2-3% वोटों की हानि और होगी। भाजपा तो कहीं की नहीं रहेगी।

लोकसभा चुनाव में नगीना सीट से जीते थे चंद्रशेखर

2024 लोकसभा चुनाव में चंद्रशेखर ने किसी दल से सहयोग लिए बिना जिस प्रकार बिजनौर की नगीना सीट पर बड़े अंतर से जीत ली, उससे स्वीकार्यकता बढ़ी है। वहीं 2023 में महापौर के चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने मेरठ में सपा के प्रत्याशी से ज्यादा वोट बटोरकर एवं गाजियाबाद व प्रयागराज में दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहकर राजनीतिक जानकारों को चौंका दिया था। असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर के बीच राजनीतिक रिश्ते लंबे समय से अच्छे हैं, लेकिन उन्हें हाथ मिलाने के लिए अनुकूल राजनीतिक परिस्थितियों की प्रतीक्षा थी। 2022 में अखिलेश और चंद्रशेखर के बीच अंतिम समय में समझौता नहीं हो सका, जिसकी टीस चंद्रशेखर के मन में अब तक बनी हुई है। चुनावी सफलता भले ही न मिली हो, लेकिन असपा एवं एआईएमआईएम कई राज्यों में अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ा चुके हैं। चंद्रशेखर की पश्चिम यूपी में बेहतर पकड़ है, जबकि पिछली बार गोरखपुर से चुनाव लड़कर पूर्वांचल समेत प्रदेशभर में पहचान बना चुके हैं। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड से लेकर दिल्ली तक अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ा चुके हैं।

विधान सभा चुनाव में अक्टक्ट की जब्त हो गई थी जमानत

पढ़ी लिखी छवि के ओवैसी की आक्रामक भाषा शैली मुस्लिमों के एक वर्ग के बीच विशेष अहमियत रखती है। 2022 विधान सभा चुनाव में भले ही एआईएमआईएम की जमानत जब्त हो गई, लेकिन चर्चा बटोरने में सफल रहे। 2023 नगर निगम चुनाव में ओवैसी के 26 में से 11 उम्मीदवार पार्षद चुने गए, जबकि नौ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, महापौर पद के प्रत्याशी मोहम्मद अनस ने 1.28 लाख वोट पाकर सपा के विधायक अतुल प्रधान की पत्नी एवं प्रत्याशी सीमा प्रधान व बसपा के हसमत हसन को पीछे छोड़कर हलचल मचा दिया।

महाराष्ट्रः राकांपा के दोनों गुटों का विलय, सांसद सुप्रिया सुले बोलीं- अजीत पवार के निधन से बंद हो गया अध्याय

पुणे। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को एनसीपी के दोनों गुटों के बीच विलय की किसी भी बातचीत से स्पष्ट इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके भाई, दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के दिन ही उनके लिए यह अध्याय बंद हो गया था। सुले ने शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी (एसपी) और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनसीपी गुट के पुनर्मिलन की अफवाहों को खारिज किया।

सुप्रिया सुले ने साफ कहा कि उन्हें विलय का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने भावुक टिप्पणी में कहा, 'मेरे भाई चले गए, और उसी दिन मेरे लिए विलय का विषय समाप्त हो गया'। सुप्रिया सुले ने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। अजीत पवार ने अपने निधन से पहले दोनों गुटों को फिर से जोड़ने की बातचीत शुरू की थी। बारामती के गोविंदबाग में हुई उनकी चर्चा का 17 जनवरी, 2026 का एक वीडियो भी सार्वजनिक है।

न्यूज की तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी: मोदी

दिवाली मिलन समारोह में कहा- सीएम बना तो मुझसे पहले मीडिया को पता था



एजेंसी, नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यूजरूम में कुछ भी असंभव नहीं माना जाता।

मोदी ने कहा कि भूकंप हो या बाढ़, जब लोग जान बचाकर भाग रहे होते हैं, तब रिपोर्टर अपनी जान जोखिम में डालकर और परिवार की चिंता छोड़कर खबर की कवरेज करते हैं। न्यूज की दुनिया में डेडलाइन सबसे जरूरी होती है। उसी तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी होती है।

मोदी ने कहा- मैं 11 अशोका रोड पर पड़ा रहता था। एक दिन पत्रकार अचानक मेरे कमरे में आ गए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मेरा गला पकड़ लिया और कहा कि मिठाई खिलाओ। मैंने पूछा कि किस बात की मिठाई खिलाऊं, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए हैं। मुझे खुद इस बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन पत्रकारों को पहले ही पता चल गया था।

मोदी की स्पीच की 5 बड़ी बातें

1. पत्रकारों के साथ पुराने रिश्ते और मीडिया में बदलाव

फैक्स से लेकर इंस्टाग्राम रील तक मीडिया का स्वरूप बदल चुका है। पहले खबरों की कवरेज ओबी वैन से होती थी, अब मोबाइल ही ओबी वैन बन गया है। 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने की खबर पत्रकारों को उनसे पहले मिल गई थी। पत्रकारों ने उन्हें मिठाई खिलाने को कहा। कई पत्रकार अपने खर्चे पर शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंचे थे।

2. डेडलाइन और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

पत्रकारिता में डेडलाइन से काम की प्राथमिकताएं तय होती हैं और रफ्तार बढ़ती है। देश के सामने भी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की डेडलाइन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए छोटे-बड़े चरणों में काम करना होगा, 2047 तक इंतजार नहीं करना है।

3. भारत की उपलब्धियां

भारत दुनिया के बड़े मोबाइल फोन निमार्ता देशों में शामिल है। चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बना है। भारत ने दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में जगह बनाई है और सबसे बड़ा वढकसिस्टम तैयार किया है। 4 करोड़ परिवारों को पक्के मकान, 3 करोड़ लखपति दीदियां और 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाने जैसे लक्ष्य हासिल किए गए हैं। देश का रेल नेटवर्क पूरी तरह इलेक्ट्रिफाई हो चुका है।

4. भारत की सफलता की कहानियां दुनिया तक पहुंचाएं

21वीं सदी में कम्युनिकेशन सबसे बड़ी ताकत है। भारत के पास सस्ता डेटा और दुनिया को सुनाने के लिए उपलब्धियों की कई कहानियां हैं। मीडिया भारतीय प्रतिभाओं, सफलताओं और प्रेरणादायक लोगों को अधिक जगह दे। देश की उपलब्धियों को दुनिया तक पहुंचाना भी देश सेवा का माध्यम है।

5. नशे के खिलाफ जागरूकता और सामाजिक सद्भाव पर जोर

मीडिया युवाओं को नशे की लत से बचाने और इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने में भूमिका निभाए। स्वच्छता, डीपफेक, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव जैसे मुद्दों को भी मीडिया डिबेट में जगह दी जाए।

मोदी ने बिना नाम लिए राहुल पर कसा तंज, पूछा- सत्ता में रहते लोकतंत्र की याद क्यों नहीं आई?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि देश का संविधान और लोकतंत्र उनकी जेब में रहते हैं। प्रधानमंत्री दिल्ली में किसान तक भारत कृषि सम्मेलन 2026 को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पीएम मोदी ने सत्ता गंवाने के बाद भी 'अधिकार के नशे' में रहने वालों के आचरण पर सवाल उठाए। उन्होंने उनके वर्तमान लोकतंत्र और सहिष्णुता के दावों की तुलना उनके सत्ता में रहते हुए किए गए कार्यों से की। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग अब संविधान को अपनी जेब से निकालते हैं। लेकिन जब वे सत्ता में थे, तब उनके कार्य अलग थे। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए एक घटना का जिक्र किया। गुजरात को एक पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर बनी संस्था ने अर्थव्यवस्था रैंकिंग में पहला स्थान दिया था। दिल्ली में सत्ता में बैठे लोग इस सम्मान को पचा नहीं पाए थे। उन्होंने शोधकताओं को रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले मंजूरी लेने का निर्देश दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि यह तब की सच्चाई थी और आज वही लोग उपदेश दे रहे हैं।

किसानों के लिए सरकार के निर्णय

प्रधानमंत्री ने डीजल की कीमतों में वृद्धि को सीमित करने के सरकार के निर्णय पर प्रकाश डाला। सरकार ने डीजल की कीमत केवल 7 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई। जबकि 50 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि आवश्यक थी। सरकार ने 43 रुपये प्रति लीटर का बोझ खुद वहन किया। पड़ोसी देशों में इसी अवधि में डीजल के दाम 40 से 50 फीसदी बढ़े थे। भारत में यह वृद्धि नहीं होने दी गई।

हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार

यूपी में 1200 करोड़ से बनेगा ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

एजेंसी, नई दिल्ली/लखनऊ।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया राज की जगह अब कानून का राज स्थापित हुआ है। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति और बुलडोजर की कार्रवाई ने यूपी को निवेश का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

उन्होंने कहा कि बुलडोजर अब यूपी का ब्रांड बन चुका है। अगर कंपनियां यहां बुलडोजर और ट्रैक्टर बनाएंगी, तो देश विदेश में इसकी मांग स्वतः ही बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को सीएनएच इंडस्ट्रियल के नए ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में ?1200 करोड़ से अधिक की लागत से यह प्लांट स्थापित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने जेवर क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में कभी गोलियां चलती थीं और जो अपराध दर में सबसे ज्यादा बदनाम था, वह जेवर आज भारत के 'गहने' के रूप में निवेश का सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बन चुका है।

उन्होंने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यीडा के विकास के साथ यह पूरा क्षेत्र एक बड़े औद्योगिक, आर्थिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां एचसीएल फॉक्सकॉन का सेमीकंडक्टर प्लांट, मेडिकल डिवाइस पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क और डाटा सेंटर जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं आकार ले रही हैं।

बीमारू से देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बना यूपी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के सामने पलायन, पिछड़ेपन और अराजकता जैसे कई प्रश्न थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य उपद्रव से उत्सव प्रदेश बन गया है। उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, फियरलेस बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि राज्य टॉप अचीवर रहा है और डीरेग्युलेशन में देश में प्रथम स्थान पर है। कभी बीमारू राज्यों में गिना जाने वाला यूपी आज बॉटम फाइव से बाहर निकलकर देश की टॉप 3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। राज्य 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

साढ़े नौ वर्षों में 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने बताया कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतर चुके हैं और आगामी इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 7.50 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग होने जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में फैक्ट्रियों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 35 हजार हो गई है। एमएसएमई इकाइयां 1 करोड़ तक पहुंच चुकी हैं और स्टार्टअप की संख्या 120 से बढ़कर 25 हजार हो गई है।

यूपीः आजम खान की चार दिन की ईडी रिमांड मंजूर

आज लखनऊ लाए जाएंगे, होगी बंद कमरे में पूछताछ

एजेंसी, लखनऊ।

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आजम खान की चार दिन की कस्टडी रिमांड मिली है। उन्हें शुक्रवार को लखनऊ लाया जाएगा, जहां ईडी की टीम उनसे पूछताछ करेगी।

हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद 31 अक्तूबर को रामपुर जेल से रिहा होते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आजम खान को गिरफ्तार कर लिया था। 1 नवंबर को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेशी के बाद से वे न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जेल में बंद हैं।

जेल में शिवपाल आजम खान से मिले थे



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव बृहस्पतिवार को गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचे। उनकी यह यात्रा जिला कारागार में बंद समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान से मुलाकात करने के लिए थी।

शिवपाल यादव के आगमन पर सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यह स्वागत गाजियाबाद के वेदांता टोल प्लाजा पर आयोजित किया गया था। स्वागत के बाद शिवपाल यादव का काफिला जिला कारागार की ओर रवाना हुआ। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने इस मुलाकात के संबंध में जानकारी दी।

शिवपाल का भाजपा पर हमला

समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक शिवपाल यादव कहते हैं,₹...आजम खां को लगातार परेशान किया जा रहा है, और मुझे लगता है कि उन पर लगाए गए मामले झूठे हैं। उनका एकमात्र 'दोष' यह है कि उन्होंने गरीब बच्चों के लिए एक यूनिवर्सिटी बनाई। चार बार मंत्री और दो बार सांसद रहने के बावजूद, उनके साथ जेल के बुनियादी नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है... हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि वह न्याय करेगी।

परिसीमन पर फिर सियासी संग्रामः गृह मंत्री अमित शाह पर बरसे जयराम रमेश

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला किया। उन्होंने शाह पर केंद्र के परिसीमन एजेंडे को फिर से आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि केंद्र प्रस्तावित विधेयकों को पारित कराने के लिए तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला रहा है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में 'परिसीमन का मुद्दा' फिर उठाया है। अमित शाह ने बताया कि जल्द ही तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधेयक 15-18 वोटों के अंतर से पारित हो जाएंगे। जयराम रमेश ने याद दिलाया कि सात महीने पहले 17 अप्रैल को भी शाह ने यही बात कही थी। तब लोकसभा में उन्हें 50 से अधिक वोटों से करारी हार मिली थी। कांग्रेस सांसद ने गृह मंत्री अमित शाह को 'धोखे और शेखी बघारने का उस्ताद' बताया। उन्होंने कहा कि 'उनका बुलडोजर तब भी नहीं चला था और अब भी नहीं चलेगा'।

राहुल गांधी हैदराबाद में डिलीवरी बॉय-कैब ड्राइवरों से मिलेंगे

तेलंगाना में 14 को गिग वर्कर्स के लिए कल्याण बोर्ड शुरू होगा

एजेंसी, हैदराबाद।



राहुल गांधी 14 नवंबर को हैदराबाद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के कार्यक्रम और रैली में शामिल होंगे। इस दौरान डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। वर्कर्स राहुल के सामने अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे।

कार्यक्रम हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास होगा। इसके साथ गिग वर्कर्स की छोटी रैली भी निकाली जाएगी। इस दौरान वर्कर्स के लिए वेलफेयर बोर्ड की शुरूआत भी होगी, जो राज्य में उनके लिए कानून और कल्याणकारी योजनाएं लागू करेगा।

कार्यक्रम में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार सुरक्षा, रजिस्ट्रेशन और शिकायतों के समाधान पर चर्चा होगी। राहुल गांधी इनसे जुड़ी सरकारी योजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं।

राहुल ने आखिरी बार 29 मई 2026 को दिल्ली में ऑटो ड्राइवरों के साथ खाना खाया था।

तेलंगाना में 2 जून से लागू है गिग वर्कर्स का कानून

तेलंगाना सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए तेलंगाना प्लेटफॉर्म-बेस्ड गिग वर्कर्स (रजिस्ट्रेशन, सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर) एक्ट, 2026 बनाया है।

यह कानून 2 जून से लागू हो चुका है। अब 14 नवंबर को इस कानून के तहत बनाए गए नियमों की अधिसूचना जारी होगी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान किया था वादा

तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन के संस्थापक और प्रदेश अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन के मुताबिक, राहुल गांधी का दौरा गिग वर्कर्स के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और बाद के चुनाव अभियानों के दौरान वर्कर्स से उनके कल्याण के लिए कदम उठाने का वादा किया गया था। अब कानून के नियमों और वेलफेयर बोर्ड को अधिसूचित करने की तैयारी है। वर्कर्स की रैली में किसी राजनीतिक संगठन की भागीदारी नहीं होगी।

वर्कर्स अपनी खुशी जाहिर करने और कल्याण के लिए उठाए जा रहे कदमों के प्रति आभार जताने के लिए इसमें शामिल होंगे।

12 करोड़ वनवासियों के नाम भागवत कथा का शंखनाद

भव्य कलश यात्रा के साथ कथा का आगाज, 18 नवंबर तक बहेगी भक्ति की अविरल धार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- वनवासी समाज के सम्मान और समरसता को समर्पित धार्मिक आयोजन
- पीत वस्त्रों में 151 महिलाओं ने सिर पर धारण किए मंगल कलश
- भागवताचार्य पं. सुनील कृष्ण पाठक ने किया कथा का शुभारंभ
- प्रेम,करुणा और सद्भाव को बताया श्रीमद्भागवत का मूल संदेश



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अंत्योदय मिलन शाखा, कमला नगर द्वारा 12 करोड़ वनवासी समाज को समर्पित श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

कमला नगर स्थित श्रीराम चौक से प्रातः 9 बजे प्रारंभ हुई कलश यात्रा में 151 महिलाएं पीत वस्त्रो मे सिर पर मंगल कलश धारण कर श्रद्धा और भक्ति के साथ चल रही थीं। सुसज्जित बग्घी में कथा व्यास भागवताचार्य पंडित सुनील कृष्ण पाठक विराजमान थे। धार्मिक जयघोष और भक्तिमय वातावरण के बीच यात्रा मुगल रोड स्थित श्री रमन वाटिका पहुंचकर संपन्न हुई। सीमा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, निधि अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, संजना नागरानी, शालिनी अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हुईं।

इसके पश्चात दोपहर 2 बजे श्री रमन वाटिका में श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस भागवताचार्य ने पंडित सुनील कृष्ण पाठक ने श्रीमद्भागवत महापुराण के आध्यात्मिक महत्व और उसके महात्म्य का विस्तार से वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत है। इसके श्रवण से मनुष्य के अंतःकरण में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का भाव जागृत होता है। भागवत कथा मनुष्य को अहंकार, मोह और सांसारिक विकारों से दूर रहकर ईश्वर के प्रति समर्पित भाव से जीवन जीने की प्रेरणा देती है। भगवान की कथाओं का श्रवण और उनके आदर्शों का अनुसरण जीवन को संस्कारित एवं सार्थक बनाता है।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत का मूल संदेश प्रेम, करुणा, सद्भाव और समरसता है।कथा के श्रावण मात्र से दैहिक, दैविक, भौतिक तापों का नाश होता है केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक मार्गदर्शक ।समाज के प्रत्येक वर्ग तक आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के संस्कार पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

12 से 18 नवंबर तक आयोजित इस कथा को 12 करोड़ वनवासी समाज के प्रति समर्पित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य वनवासी समाज के प्रति सम्मान, आत्मीयता और सामाजिक समरसता की भावना को सुदृढ़ करना है।इस अवसर पर मुख्य आयोजक अशोक अग्रवाल, मीडिया संपर्क प्रमुख विजय गोयल, राजीव नागरानी, नवदीप अग्रवाल, भगवान अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अरुण गर्ग, वरुण कौशिक, लक्ष्मी नारायण, श्याम बाबू,संतोष गुप्ता,अजय रावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

करंट से मौत पर सड़क पर उतरे ग्रामीण, शव रखकर लगाया जाम

अधिकारियों के आश्वासन पर खुला जाम

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

- बिजली करंट से युवक की मौत के बाद भड़का आक्रोश
- आगरा रोड पर शव रखकर ग्रामीणों ने रोका यातायात
- एसडीएम-एसडीओ ने दिया मुआवजे का आश्वासन, एक लाख रुपये नकद दिए



विद्युत करंट से हुई युवक की मृत्यु के बाद गुस्साए स्वजन और ग्रामीणों ने कस्बा के मुख्य किराए पर सबको सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। जिसे करीब दो घंटे बाद एसडीएम बाह और एसडीओ के आश्वासन और कुछ राशि के नगद भुगतान के बाद खोल दिया गया है।

बुधवार को थाना पिनाहट के गांव क्योरी जनवेद पुरा में विद्युत लाइन सही करने के दौरान लाइनमैन के कहने पर गये राकेश पुत्र रामप्रकाश उम्र करीब 45 वर्ष की विद्युत करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। जिसमें गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन और ग्रामीणों ने शव को कस्बा के आगरा रोड स्थित नंदगवां तिराहे पर रखकर दोपहर करीब दो बजे जाम लगा दिया। मौके पर एसीपी पिनाहट अनिल कुमार इंस्पेक्टर पिनाहट वी पी गिरि समेत अन्य थानों कि फोर्स मौके पर आ गया। पुलिस ने जाम स्थित बनते देख वाहनों को अन्य रास्तों से यातायात सुचारू करवा दिया। पुलिस के समझाने पर ग्रामीणों ने कहा कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा का किसी वरिष्ठ अधिकारी के द्वारा आश्वासन और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के बाद ही जाम खुलेगा।

करीब दो घंटे तक लगातार लगे रहै जाम के बाद एसडीओ पिनाहट रवि प्रताप सिंह और एसडीएम बाह विनोद चौधरी मौके पर पहुंचे। जहां एसडीओ रवि प्रताप सिंह ने विभागीय मुआवजा जल्द से जल्द दिलाने का आश्वासन दिया और एक लाख रुपए नगद दिए साथ ही एसडीएम बाह विनोद चौधरी ने आश्वासन दिया कि किसान बीमा योजना समेत अन्य योजनाओं से सही समय पर सभी को उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। जिसके बाद शाम करीब चार बजे जाम खोल दिया गया है। एसडीओ पिनाहट रवि प्रताप सिंह ने बताया कि मुआवजा राशि जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। इंस्पेक्टर पिनाहट वी पी गिरि ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रुपयों के लेनदेन में फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

कस्बा फतेहाबाद के अवंती चौक पर रुपयों के लेनदेन को लेकर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि भानुप्रताप पुत्र झब्बू निवासी कालीनगर, कस्बा फतेहाबाद ने थाने में तहरीर देकर आरोप बताया था कि मंगलवार को केशव जादौन पुत्र साहब सिंह निवासी मोहल्ला सारंगपुर रोड, भगवान देवी, फतेहाबाद ने रुपयों के लेनदेन को लेकर अपने साथियों के साथ मिलकर अवंती चौक पर उस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। वहीं बुधवार की रात पुलिस ने आरोपी केशव जादौन पुत्र साहब सिंह को निबोहरा कट के पास से गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग का सराहनीय कारनामा

सामान्य एक्स-रे में नहीं दिखी जानलेवा वस्तु, ब्रोंकोस्कोपी से बचाई 5 वर्षीय मासूम की जान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- डॉ. रोहिणी, विभागाध्यक्ष डॉ. रितु गुप्ता और डॉ. अखिल प्रताप की सूझबूझ से जटिल प्रक्रिया द्वारा श्वास नली से निकाली गई बाहरी वस्तु

सरोजिनी नायडू (एस.एन.) मेडिकल कॉलेज, आगरा के ईएनटी विभाग के चिकित्सकों ने अपनी उत्कृष्ट दक्षता और तत्परता का परिचय देते हुए एक पांच वर्षीय मासूम बच्चे की जान बचाई है। बच्चे की श्वास नली में फंसी एक बाहरी वस्तु सामान्य एक्स-रे में दिखाई नहीं दी थी, लेकिन डॉक्टरों ने लक्षणों की गंभीरता को समझते हुए जटिल ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रिया के जरिए उसे सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया।

सामान्य एक्स-रे आया था नॉर्मल, पर डॉक्टरों ने नहीं छोड़ी आशंकाः

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पांच वर्षीय बच्चे को लगातार खांसी आ रही थी और सांस लेने में काफी परेशानी हो रही थी। परिजन उसे गंभीर हालत में एस.एन. मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। प्रारंभिक जांच के दौरान जब बच्चे का एक्स-रे कराया गया, तो रिपोर्ट सामान्य आई। इसके बावजूद ईएनटी विभाग की चिकित्सक डॉ. रोहिणी ने बच्चे के लक्षणों का बारीकी से आकलन किया और श्वास नली में किसी बाहरी वस्तु के फंसे होने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया।

जटिल ब्रोंकोस्कोपी से मिली सफलताः

डॉ. रोहिणी ने अपने चिकित्सकीय अनुभव और सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल ब्रोंकोस्कोपी के जरिए जांच की, जिसमें दाहिने मुख्य ब्रोंस (फ्रँइ ट्रंल्ल इ१ङ्मल्लूँ४२) में बाहरी वस्तु फंसी हुई मिली। ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. रितु गुप्ता और डॉ. अखिल प्रताप के मार्गदर्शन व सहयोग से डॉ. रोहिणी ने अत्यंत सावधानीपूर्वक जटिल प्रक्रिया को अंजाम देते हुए उस वस्तु को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। सफल उपचार के बाद बच्चे की हालत में तेजी से सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य रूप से सांस ले रहा है।

प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने की सराहनाः

एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रशांत गुप्ता ने ईएनटी विभाग की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सकों ने त्वरित निर्णय और सूझबूझ से एक मासूम की जान बचाई है। उन्होंने कहा कि संस्थान का निरंतर प्रयास है कि आगरा और आसपास के मरीजों को यहीं आधुनिक एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

विशेष गोवंश संरक्षण अभियान के तहत एक दिन में पकड़े गए 143 निराश्रित गोवंश



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- विभिन्न गौशालाओं में पहुंचाए गए मवेशी, अभियान रहेगा जारी
- जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में जनपद के विकास खंडों में चलाया गया वृहद अभियान

जनपद में निराश्रित गोवंशों की सुरक्षा एवं उनके व्यवस्थित संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विशेष गोवंश संरक्षण अभियान के तहत बुधवार, 12 नवंबर 2026 को एक ही दिन में कुल 143 निराश्रित गोवंशों को पकड़कर सुरक्षित नजदीकी गौशालाओं में पहुंचाया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल के कड़े निदेशों के अनुपालन में पशुपालन विभाग और विभिन्न विकास खंडों की टीमों ने सक्रियता दिखाते हुए यह कार्रवाई की।

विकास खंडवार संरक्षण का विवरणः

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विभिन्न ब्लॉकों में गठित टीमों ने अभियान चलाकर मवेशियों को सुरक्षित गो-आश्रय स्थलों तक शिफ्ट किया। प्रमुख विकास खंडों का विवरण इस प्रकार हैः

शमशाबादः रोहता, धनौला कला एवं कौलाराकला गौशालाओं में सर्वाधिक 29 गोवंश संरक्षित किए गए।

जैतपुरकलांः बड़ागांव गौशाला में 20 गोवंश सुरक्षित पहुंचाए गए।

बाहः कुकथरी गौशाला में 14 गोवंशों का संरक्षण किया गया।

खंदौलीः धौरऊ गौशाला में 12 गोवंश संरक्षित हुए।

एत्मादपुरः युसुफपुर गौशाला में 10 गोवंश रखे गए।

खेरागढ़ः चीत गौशाला में 11 गोवंश पहुंचे।

सैंयाः सैंया, गढ़सान व तेहरा गौशालाओं में कुल 11 गोवंश संरक्षित किए गए।

जगनेरः नौनी गौशाला में 10 गोवंश सुरक्षित किए गए।

फतेहाबादः मेवलीकलां गौशाला में 7 गोवंश पहुंचाए गए।

फतेहपुर सीकरीः शांति नंदीशाला में 6 गोवंश संरक्षित हुए।

पिनाहटः नंगला भरी गौशाला में 5 गोवंश रखे गए।

अछनेराः गोबरा गौशाला में 3 गोवंश संरक्षित हुए।

अकोलाः मलपुरा गौशाला में 3 गोवंश पहुंचाए गए।

बरौली अहीरः रोहता गौशाला में 2 गोवंश संरक्षित किए गए।

बिचपुरीः इस खंड में शून्य (0) स्थिति रही।

अभियान आगे भी रहेगा जारीः

मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि जनपद में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण का यह महत्वपूर्ण अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि सड़कों और चौराहों पर विचरण करने वाले गोवंशों को सुरक्षित आश्रय मिल सके और आम नागरिकों को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके।

हाईटेंशन लाइन बनी काल, करंट से राजमिस्त्री की मौत

मकान निर्माण के दौरान लोहे का पाइप तारों से टकराया

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- पाइप उठाते ही हाईटेंशन लाइन से टकराया
- करंट लगते ही जमीन पर गिरा राजमिस्त्री
- अस्पताल में तोड़ा दम, परिवार में कोहराम



थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना में गुरुवार को मकान निर्माण के दौरान लोहे का पाइप हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। करंट लगने से राजमिस्त्री की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के पुत्र मनीष ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरे पिता रामभजन पुत्र रामनरायन सिंह उम्र 50 बर्ष निवासी बरना थाना फतेहाबाद राज मिस्त्री का काम करते हैं। गुरुवार सुबह 11 बजे के करीब गाँव में मकान पर काम कर रहे थे। तभी चाली बनाने के लिए लोहे का पाइप उठाया तो बगल से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार से टकराया गया। जिससे रामभजन को करंट लग गया और जमीन पर गिर पड़े। तभी जानकारी होने पर अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहीं जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी परिजन ने पुलिस को दी। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के तीन पुत्र हैं। मनीष उम्र 20 वर्ष,गौरव 19 वर्ष,नीरज उम्र 16 वर्ष है। वहीं नीरज अविवाहित है।वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फंदे से लटककर दी जान



फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गाँव मुरावल में बुधवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी, घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि पुत्र कमलेश कुमार उम्र 20 अविवाहित है। बुधवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर पंखे की कुंडी से लटक गया। कुछ समय बाद परिजन ने रवि को फंदे से लटका देखा तो घर में चीख पुकार मच गई और आनन -फानन में फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस को बिना सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं मृतक दो भाइयों में बड़ा था। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक विस्तारित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ-2020) और ऋवढ के तहत स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए बिना विलम्ब शुल्क के बढ़ाई गई तिथि
- परीक्षा नियंत्रक ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को समयान्तर्गत आवेदन पत्र पूरित कराने के दिए निर्देश

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा छात्रहित को दृष्टिगत रखते हुए माननीय कुलपति के आदेश के अनुपालन में नवंबर/दिसंबर-2026 की परीक्षाओं के लिए परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि विस्तारित कर दी गई है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक द्वारा आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (ठएढ) तथा ऋवढ के अंतर्गत संचालित स्नातक स्तर के बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम., बी.कॉम. (वोकेशनल) के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक स्तर के एम.ए., एम.एस.सी., एम.कॉम. के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राएं अब बिना किसी विलम्ब शुल्क के 15 नवंबर 2026 तक अपने परीक्षा आवेदन पत्र पूरित कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्राचायाओं को निर्देशित किया है कि वे इस महत्वपूर्ण सूचना से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए निर्धारित तिथि के भीतर उनके परीक्षा आवेदन पत्र समयान्तर्गत भरवाना सुनिश्चित करें।

पत्नी पर कमेंट का विरोध करने पर भिड़े दो पक्ष

विवाद के बाद मारपीट,मारपीट में पति का सिर फटा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- पत्नी पर कमेंट करने को लेकर शुरू हुआ विवाद
- विरोध करने पर गाली-गलौज के बाद हुई मारपीट
- घायल पति को मेडिकल के लिए भेजा, पुलिस कर रही जांच



पत्नी पर कमेंट करने का विरोध करने के बाद मारपीट,मारपीट में पति का सिर फटा

पत्नी पर कमेंट करने का विरोध करने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में पति का सिर फट गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामा पत्नी भूरी सिंह निवासी कबीर नगर बाईपास ने बताया कि गुरुवार सुबह घर के बाहर वह टहल रही थी। तभी विनोद कुमार पक्ष के द्वारा मुझ पर कमेंट किया जिसको लेकर कहासुनी हो गई थी। इसको लेकर पति से कहा तो पति दिल्ली से काम कर घर लौटे तो विनोद से गलौज करने लगा विरोध करने पर मारपीट को उतारू हो गया तभी दोनों में गुत्थमगुत्था हो गई और भूरी सिंह पुत्र बाबूराम का सिर फट गया जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल भूरी सिंह को मेडिकल के लिए भेजा है मामले की जांच की जा रही है। वहीं मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है।

यमुना नदी में डूबे नाव संचालक का तीसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के पारौली घाट पर विगत मंगलवार को नाव चलाते समय यमुना नदी में डूबे नाव संचालक का तीसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लगा, तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत मंगलवार की शाम थाना फतेहाबाद क्षेत्र पारौली घाट पर लोगों नदी पार कराते समय पारौली सिकरवार निवासी मोनू पुत्र बटेश्वरी एक दर्जन से अधिक लोगों यमुना नदी में पार करा रहा था।



इसी दौरान हाथ से रस्सी छूट जाने के कारण यमुना नदी में गिर गया था। बुधवार सुबह से पीएसी के गोताखोरों ने सर्च ऑपरेशन चलाया था।लेकिन सफलता नहीं मिली।वहीं गुरुवार को भी पीएसी के गोताखोरों की टीम ने यमुना नदी में करीब 15 किलोमीटर दूर तक तलाश की गई लेकिन शाम तक समाचार लिखे जाने तक कोई सुराग नहीं लग सका। इधर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

चार नई श्रम संहिताओं से श्रमिकों को मिलेंगे नए अधिकार

न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ और नियुक्ति पत्र हुआ अनिवार्य

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- उप श्रम आयुक्त सियाराम ने पत्रकार वार्ता में दी विस्तृत जानकारी
- पीएफ कवरेज की मासिक वेतन सीमा 15 हजार से बढ़कर हुई 25 हजार रुपये

भारत सरकार द्वारा पुराने श्रम कानूनों में संशोधन कर लागू की गई चार नई श्रम संहिताओं एवं उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी नवीनतम शासनादेशों के संबंध में गुरुवार, 12 नवंबर 2026 को उप श्रम आयुक्त सियाराम ने पत्रकार वार्ता कर श्रमिकों के अधिकारों एवं कल्याणकारी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन श्रम अनुभाग-02, लखनऊ द्वारा 21 अक्टूबर 2026 को जारी शासनादेश के अनुसार औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों की श्रेणीवार न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की गई है, जो महंगाई भत्ते सहित 01 अक्टूबर 2026 से प्रभावी हो चुकी है। जनपद आगरा में संचालित 74 अनुसूचित नियोजनों से जुड़े प्रतिष्ठानों को इन्हीं दरों पर वेतन देना होगा।

निर्धारित नई दरों के तहत अकुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 13,189.68 रुपये (दैनिक 507.30 रुपये), अर्द्धकुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 14,507.46 रुपये (दैनिक 557.98 रुपये) और कुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 16,250.86 रुपये (दैनिक 625.03 रुपये) तय की गई है। उप श्रम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि अब वेतन भुगतान अधिनियम के तहत पूर्व की 24,000 रुपये की सीमा समाप्त कर दी गई है, जिससे कोई भी कर्मचारी बिना किसी वेतन सीमा के अपने वेतन संबंधी दावे कर सकता है। वेतन और बोनस का भुगतान पूरी पारदर्शिता के लिए सीधे बैंक खातों में ही करना अनिवार्य होगा। बोनस के लिए 20 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में 21,000 रुपये प्रतिमाह (मूल वेतन व महंगाई भत्ता) तक पाने वाले वे कर्मचारी पात्र होंगे, जिन्होंने 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य कम से कम 30 दिन कार्य किया है।

पीएफ और सामाजिक सुरक्षा के नियमों में हुए बड़े बदलावों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि अब केवल चुनिंदा उद्योगों के बजाय 20 या उससे अधिक कर्मचारियों (स्थायी, अस्थायी, संविदा व पार्ट-टाइम सहित) वाले हर प्रतिष्ठान–चाहे वह फैक्ट्री हो, दुकान या व्यावसायिक संस्थान–पर पीएफ नियम लागू होंगे। 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य पीएफ कवरेज की मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। इसके अलावा सामान्य कार्य दिवस 8 घंटे (साप्ताहिक 48 घंटे) निर्धारित है और इससे अधिक कार्य कराने पर दोगुनी दर से ओवरटाइम देना अनिवार्य होगा। 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा तथा ईएसआई अस्पताल विहीन जिलों में निजी अस्पतालों को संबद्ध कर इलाज की सुविधा दी जा रही है।

नए ओएसएच (डरल्) कोड के अंतर्गत सभी नए श्रमिकों को नियुक्ति के एक सप्ताह (7 दिन) के भीतर और पुराने कर्मचारियों को तीन माह के अंदर नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। उप श्रम आयुक्त ने बताया कि श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रतिष्ठानों में संबंधित श्रम अधिकारी का मोबाइल नंबर प्रदर्शित कराया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जनपद में प्राप्त शिकायतों–जिसमें गुप्ता ओवरसीज व अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं–का संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई और जुमार्ने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के हस्तक्षेप से सेवायोजकों ने लिखित आश्वासन दिया है कि किसी भी श्रमिक की सेवा समाप्त नहीं की गई है, तथा नियुक्ति पत्र वितरण और शेष कर्मचारियों के पीएफ पंजीकरण की प्रक्रिया तेजी से पूरी कराई जा रही है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में 17 को मंडलीय पेंशन अदालत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- पेंशन निदेशालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं आवेदन पत्र
- अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन कार्यालय में जमा किए गए हैं आवेदन

पेंशनरों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित व सुगम समाधान के उद्देश्य से मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में सोमवार, 17 नवंबर 2026 को मंडलीय पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा.

अपर निदेशक एवं सचिव मंडलीय पेंशन अदालत शिवनाथ ने जानकारी दी है कि यह पेंशन अदालत 17 नवंबर 2026 को अपरान्ह 12:30 बजे कमिश्नर कार्यालय, आगरा मंडल स्थित लघु सभागार में आयोजित की जाएगी. पेंशन अदालत में अपने पेंशन व सेवा संबंधी प्रकरणों की सुनवाई के लिए पात्र पेंशनरों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिन्हें पेंशनर्स द्वारा अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, आगरा मंडल (जिलाधिकारी प्रांगण, एम.जी. रोड, आगरा) के कार्यालय में 5 नवंबर 2026 तक दस्ती रूप से अथवा पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया है.

पेंशन अदालत से संबंधित आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद व मैनपुरी के मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय अथवा अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है.

इसके अलावा पेंशन निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट http://www.pensiondirectorate.up.nic.in से भी आवेदन पत्र डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. प्रशासन द्वारा सभी संबंधित पेंशनरों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे इस अदालत के माध्यम से अपने पेंशन प्रकरणों का निःशुल्क निस्तारण कराकर इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं.

पेंशनर अब घर बैठे ऑनलाइन दे सकेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र

जनपद में चल रहे अभियान के तहत तहसील स्तर पर लगेंगे विशेष डीएलसी शिविर

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- कोषागार आने की नहीं है जरूरत, आधार आधारित फेस
- ऑथेंटिकेशन के जरिए स्मार्टफोन से खुद भी ऑनलाइन जमा कर सकते हैं जीवित प्रमाण-पत्र

कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले जनपद के समस्त पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के लिए बड़ी राहतभरी खबर है। अब पेंशनरों को अपना जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कोषागार कार्यालय के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (उङ्घढढह), भारत सरकार के निदेर्शानुसार और उत्तर प्रदेश शासन की मंशानुरूप जनपद में 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (उछउ) अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत पेंशनर घर बैठे ऑनलाइन ही अपना प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं।

घर बैठे ऐसे तैयार करें डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्रः

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने पेंशनरों से अपील की है कि जिन पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होने वाली है, वे बिना किसी भागदौड़ के ऑनलाइन माध्यम का लाभ उठाएं। मुख्य कोषाधिकारी वरुण खरे ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि पेंशनर या उनके परिवार का कोई भी सदस्य अपने स्मार्टफोन के गूगल प्ले स्टोर से सबसे पहले औ१ञ्ूफ्ळ अस्त्रस्त्र और उसके बाद खीा५ंल्ल ढश्ंल्ल अस्त्रस्त्र इंस्टॉल करें। ऐप में आधार नंबर, नाम, पेंशन का प्रकार, पीपीओ (ढढड) नंबर और बैंक संबंधी विवरण दर्ज करने के बाद, निर्धारित प्रक्रिया के तहत आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरे की पहचान) के माध्यम से जीवित प्रमाण-पत्र आसानी से ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है।

तहसील स्तर पर आयोजित होंगे डीएलसी शिविरः

पेंशनरों की सुविधा और तकनीकी सहायता के लिए जनपद की विभिन्न तहसीलों और उप कोषागारों में विशेष डीएलसी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जहां कोषागार टीम द्वारा मौके पर ऑनलाइन जीवित प्रमाण-पत्र बनवाने के साथ-साथ ऐप के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। शिविरों की समय-सारिणी इस प्रकार हैः

एत्मादपुरः तहसील परिसर (दोपहर 12 से 4 बजे तक)–13 नवंबर 2026 (शुक्रवार)

बाहः उप कोषागार/तहसील परिसर (दोपहर 12 से 4 बजे तक)–15 नवंबर 2026 (रविवार)

किरावलीः उप कोषागार/तहसील परिसर (दोपहर 12 से 4 बजे तक)–17 नवंबर 2026 (मंगलवार)

खेरागढ़ः उप कोषागार/तहसील परिसर (दोपहर 12 से 4 बजे तक)–19 नवंबर 2026 (गुरुवार)

फतेहाबादः उप कोषागार/तहसील परिसर (दोपहर 12 से 4 बजे तक)–21 नवंबर 2026 (शनिवार)

प्रशासन ने सभी पेंशनरों से अपील की है कि वे अपनी सुविधा अनुसार घर बैठे या अपने नजदीकी तहसील शिविर में पहुंचकर इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं और समय से अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा करें।

कैबिनेट मंत्री ने किया श्रीकृष्ण गौशाला मार्ग के नवनिर्माण का शिलान्यास

क्षेत्रवासियों को जर्जर सड़क से मिलेगी राहत

- शाहगंज के सोरों कटरा स्थित जर्जर मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए मंत्री ने किया भूमिपूजन
- गौशाला आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से हो रही थी परेशानी



टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक योगेंद्र उपाध्याय ने गुरुवार को दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सोरों कटरा, शाहगंज स्थित श्रीकृष्ण गौशाला के जर्जर मार्ग के नवनिर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर उसकी आधारशिला रखी। इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों, राहगीरों और गौशाला आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

जनता की मांग पर स्वीकृत हुआ सड़क निमार्णः

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह मार्ग लंबे समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में था। बड़े-बड़े गड्ढों और जलभराव के कारण नागरिकों तथा गौसेवकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रीय जनता की इस पुरानी मांग को संज्ञान में लेते हुए कैबिनेट मंत्री ने इस मार्ग के पुनर्निर्माण कार्य को स्वीकृत कराया।

विकास कार्यों में नहीं आएगी कोई कमीः

भूमिपूजन के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का समग्र एवं चहुंमुखी विकास उनकी और सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनका दायित्व है और शहर की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मार्ग का कार्य शुरू होने से सोरों कटरा व आसपास की कॉलोनियों के लोगों में भारी हर्ष व्याप्त है।

इस अवसर पर गौशाला कमेटी के अध्यक्ष गिरधारी लाल भगत्यानी, हेमंत भोजवानी, महेश मंघरानी, भगवानदास आवतानी, जे.के. मदनानी, पूरन चंद, पार्षद सुनील कर्मचंदानी, पार्षद पूजा वाल्मीकि, पार्षद राधा रानी, आशु मूलचंदानी, जीतू तुलसियानी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक और गौसेवक उपस्थित रहे।

साहित्य संगीत संगम के तत्वावधान में भव्य 'श्री चित्रगुप्त वंदन' काव्य आयोजन संपन्न

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- डॉ. नीरज स्वरूप की अध्यक्षता में ग्रीन हाउस भोगीपुरा में हुआ आयोजन
- कु. पूजा तोमर की सरस्वती वंदना और राम भजन से हुआ शुभारंभ; मुकुल सक्सेना, शेखर शर्मा और सुशील सरित समेत कई रचनाकारों ने पढ़ी कविताएं

साहित्य संगीत संगम के तत्वावधान में ग्रीन हाउस भोगीपुरा, आगरा के परिसर में डॉ. नीरज स्वरूप की अध्यक्षता में 'श्री चित्रगुप्त वंदन' काव्य आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कु. पूजा तोमर द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया।

विवेक ही चित्रगुप्त का मूर्ति रूपः डॉ. नीरज स्वरूप

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नीरज स्वरूप ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ₹चित्रगुप्त जी वस्तुतः हमारे अंतर में स्थापित जो विवेक है, उसका ही मूर्ति रूप हैं और अपने विवेक के स्वर को सुनना ही सच्चा चित्रगुप्त पूजन है।₹ उन्होंने अंत में प्रार्थना करते हुए अपनी पंक्तियां साझा कीं–₹कलम हमारी शक्ति बने, दावात बने पहचान, अच्छे कर्मों से रोशन हो अपना हिंदुस्तान।₹ विशिष्ट अतिथि इंजीनियर हरीश भदोरिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि सब कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले अग्रसंधानी, यमराज के संग चलने वाले चित्रगुप्त संज्ञाज्ञानी हैं।

काव्यपाठ से गूंजा सभागारः

समारोह में उपस्थित विभिन्न साहित्यकारों और कवियों ने अपनी कविताओं और गजलों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दियाः

मुकुल सक्सेना ने पढ़ा–यह परिंदे हैं, इनको उड़ान चाहिए, नीला गगन खुला आसमान चाहिए।

शेखर शर्मा ने सामाजिक चेतना पर अपनी बात रखते हुए कहा–₹हमारे देश में दहेज बहुत बड़ी बीमारी है, श्रीनगर है फिर भी कन्याकुमारी है।₹

कु. पूजा तोमर ने भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन के प्रसंग पर गीत प्रस्तुत किया–₹जो हैं सारी दुनिया की आंखों के ही तारे, बड़े-बड़े जिनके हैं नैना कजरारे, चलो-चलो-चलो उन्हीं राम के दुआरे।

सुशील सरित ने तुलसीदास की पंक्तियों की नई व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा–₹लाभ हानि सुख-दुख नहीं है विधि के अधीन, लाभ हानि सुख-दुख सदा है विधि के आधीन।₹ उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा–₹इस दिवाली ने हमको फिर से यह सिखलाया, अँधियारे में एक किरण भी करती है उजियाला, चलिए लेकर चलें ऊर्जा पुनः सवेरों से।

इनके अलावा डॉ. संजय कमथानिया, नीलेन्द्र श्रीवास्तव, अक्षांश, अदिति और अनन्या आदि ने भी अपनी काव्यात्मक भावनाओं की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। आयोजन के दौरान सुधीर शर्मा, हरीश अग्रवाल और दिव्यांशी सहित कई गणमान्य साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन सुशील सरित द्वारा किया गया।

संस्कार भारती का दीपावली महोत्सव 14 को, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी सुरमई शाम

आगरा। संस्कार भारती आगरा महानगर, ब्रज प्रांत की ओर से दीपावली महोत्सव का आयोजन 14 नवंबर को विजय नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में किया जाएगा। महोत्सव में कला, संस्कृति, परंपरा और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम संयोजक आलोक आर्य ने बताया कि महोत्सव में रंग भरो प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस शो, रामायण प्रश्नोत्तरी एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं महिलाओं के लिए सलाद प्रतियोगिता और गिफ्ट पैकिंग प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

संस्था के अध्यक्ष दीपक गोयल एवं उपाध्यक्ष नीतेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत विशेष रूप से ह्यसुरमई संध्याह्न का आयोजन किया जाएगा। इसमें गायिका निशिराज और ईशान देश अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। वहीं श्वेता सागर लोक संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से डांडिया, झूमर और ब्रज संस्कृति की मनमोहक छटा बिखेरेंगी। इसके अलावा युवा कलाकार ध्रुव अग्रवाल बांसुरी की मधुर धुनों से समां बांधेंगे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

डिजिटल युग में बच्चों का बढ़ता स्क्रीन टाइम, मोबाइल और सोशल मीडिया की गिरफ्त में फंसता बचपन और समाज की एक गंभीर होती हुई अदृश्य विडंबना

आज के इस आधुनिक और तकनीकी रूप से अति-सुलभ दौर में हमारे घरों के भीतर एक ऐसा अदृश्य संकट चुपचाप पैर पसार चुका है जिसने बच्चों के बचपन की सहजता और उनकी मासूमियत को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले लिया है। जब हम सुबह-शाम अपने घरों के ड्राइंग रूम या पार्कों में नजर दौड़ाते हैं, तो यह देखकर गहरा आघात लगता है कि खेल के मैदानों में दौड़ने-भागने की उम्र वाले छोटे-छोटे बच्चे अब अपने हाथों में स्मार्टफोन और टैबलेट थामे घंटों डिजिटल स्क्रीन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली और आधुनिक सुविधाओं की अंधी दौड़ ने अनजाने में ही सही, लेकिन बच्चों को गैजेट्स की इस ऐसी खतरनाक लत में झोंक दिया है जहाँ से उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत दोनों तेजी से खोखली होती जा रही है। वैज्ञानिक शोध और बाल मनोवैज्ञानिकों की रिपोर्टें चीख-चीख कर यह चेतावनी दे रही हैं कि लगातार स्क्रीन के सामने बैठे रहने से बच्चों की आँखों की रोशनी कमजोर होने के साथ-साथ उनके भीतर आक्रामकता, संवाद की कमी और अवसाद जैसी गंभीर समस्याएं घर कर रही हैं। पारिवारिक संवाद और संयुक्त परिवारों की वह पारंपरिक ऊष्मा अब गायब होती जा रही है जहाँ बच्चे कहानियों और बड़ों के सान्निध्य में जीवन के नैतिक मूल्य सीखते थे, और उसकी जगह अब रील्स, ऑनलाइन गेम्स और वर्चुअल दुनिया ने ले ली है। यह केवल किसी एक परिवार की व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारे पूरे समाज के भविष्य के सामने खड़ा एक ऐसा विकराल प्रश्नचिह्न है जिसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो आने वाली पीढ़ी वैचारिक और शारीरिक दोनों रूपों से पूरी तरह पंगु हो जाएगी। शासन और प्रशासन के स्तर पर भी बच्चों को लुभाने वाले और उनकी मानसिक स्थिति को भ्रमित करने वाले डिजिटल कंटेंट तथा अनियंत्रित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की कार्यप्रणाली पर एक कड़ी नैतिक और कानूनी लगाम कसने की सख्त जरूरत है। माता-पिता को भी अपनी व्यस्तताओं से वक्त निकालकर बच्चों के साथ समय बिताना होगा और उन्हें स्क्रीन की कृत्रिम दुनिया से बाहर निकालकर प्रकृति, मैदानों और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना होगा ताकि हमारे देश का भविष्य सुरक्षित रह सके।

भारत की आबादी का पहेलीभरा हिसाबः जनगणना होगी या आंकड़ों का खेल?

बृज खंडेलवाल



आखिर भारत में रहने वाले लोगों की असली संख्या कितनी है? इस सवाल का जवाब आज भी आंकड़ों की भूलभुलैया में भटक रहा है। कोई कहता है 146 करोड़, कोई 147 करोड़ और कोई 148 करोड़। लेकिन पक्का हिसाब किसके पास है?

एक तरफ करीब 145 करोड़ आधार नंबर जारी हो चुके हैं। दूसरी तरफ मतदाताओं की संख्या 99 करोड़ के आसपास पहुंच गई है। मोबाइल कनेक्शन 136 करोड़ से ऊपर हैं। जनधन खातों की तादाद भी 59 करोड़ पार कर चुकी है।

तो फिर सवाल उठता है कि बाकी लोग कहां हैं? और ये अतिरिक्त नंबर किसके हैं? क्या एक आदमी के पास कई मोबाइल, कई बैंक खाते और एक से ज्यादा पहचान पत्र हैं? आखिर गिनती किसकी हो रही है, इंसानों की या सरकारी रिकॉर्ड की?

संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2024 रिपोर्ट के मुताबिक, 1 जुलाई 2026 को भारत की आबादी करीब 147.7 करोड़ थी। भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है।

नवंबर 2026 के शुरूआती अनुमानों में यह संख्या करीब 148 करोड़ बताई जा रही है। लेकिन ध्यान रहे, ये आंकड़े अनुमान हैं, घर-घर जाकर की गई ताजा गिनती नहीं।

भारत में आखिरी पूरी जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद देश की आबादी बढ़ती रही, लेकिन उसकी नई मुकम्मल गिनती नहीं हो सकी।

अब जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। घर-घर जाकर लोगों की गिनती का काम मुख्य रूप से 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होना है। मार्च के शुरू में दोबारा जांच होगी। जनगणना की मुख्य संदर्भ तारीख 1 मार्च 2027 की आधी रात रखी गई है। कई इलाकों में लोग पहले खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

तब तक सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जन्म, मृत्यु और पलायन के पुराने आंकड़ों के सहारे अनुमान लगाती रहेंगी।

अगर दो अरब लोग निकल आए तो?

जरा कल्पना कीजिए। जनगणना के नतीजे आएं और भारत की आबादी दो अरब निकल जाए! क्या दुनिया भर के गणितज्ञों और जनसंख्या विशेषज्ञों के अनुमान गलत साबित हो जाएंगे? क्या करीब 50 करोड़ लोग अब तक सरकारी आंकड़ों की नजर से ओझल थे?

और अगर गिनती सिर्फ एक अरब निकली तो? क्या लगभग 50 करोड़ भारतीय अचानक गायब हो गए? क्या वे किसी दूसरी दुनिया में चले गए या आंकड़ों की फाइलों में ही खो गए?

बेशक, ऐसा होना बेहद असंभव है। लेकिन इन सवालों से एक बात साफ होती है। हमारे मौजूदा आंकड़ों के पीछे कितनी धारणाएं, अनुमान और गणित काम कर रहे हैं। अगर जनगणना में बड़ा अंतर सामने आता है, तो पुराने अनुमानों की बुनियाद पर सवाल उठेंगे। आखिर इतने बड़े देश की आबादी का सही हिसाब रखने में हम कहां चूक रहे हैं?

आधार के आंकड़े भी कम दिलचस्प नहीं हैं। जून 2026 के अंत तक करीब 144.8 करोड़ आधार नंबर जारी किए जा चुके थे। लेकिन मौतों के हिसाब से संशोधन करने के बाद जीवित आधार धारकों की अनुमानित संख्या करीब 134.8 करोड़ बताई गई।

यानी जारी किए गए आधार नंबर और जीवित लोगों की संख्या में बड़ा फर्क है।

क्यों? क्योंकि किसी व्यक्ति की मौत के बाद उसका आधार नंबर तुरंत अपने आप रिकॉर्ड से गायब नहीं होता। यूआईडीएआई ने सफाई अभियान में ढाई करोड़ से ज्यादा मृत लोगों के आधार नंबर निष्क्रिय किए हैं।

कई लोगों के पते और दूसरी जानकारियां भी पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए आधार नंबरों की कुल संख्या को देश की जीवित आबादी मान लेना बड़ी भूल होगी। क्योंकि आधार पहचान का जरिया है, जनगणना का विकल्प नहीं।

वोटर लिस्ट में कौन है?

चुनाव आयोग के आंकड़े भी अपनी अलग कहानी सुनाते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के समय मतदाताओं की संख्या करीब 96.9 करोड़ थी। 2025 की शुरूआत तक यह बढ़कर लगभग 99.1 करोड़ हो गई।

लेकिन मतदाता सूची में सिर्फ 18 साल या उससे अधिक उम्र के पंजीकृत नागरिक शामिल होते हैं। इसमें बच्चे नहीं गिने जाते। जिन लोगों ने नाम दर्ज नहीं कराया, वे भी इस हिसाब से बाहर रह जाते हैं।

इन दिनों कई राज्यों में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआईआर चल रही है। इसमें मृत, दोहरे, स्थान बदल चुके और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

इस प्रक्रिया पर राजनीतिक और कानूनी बहस भी जारी है। इसलिए मतदाता सूची को देश की कुल आबादी का आईना समझना ठीक नहीं होगा।

एक आदमी, कई मोबाइल!

मोबाइल कनेक्शन की कहानी तो और भी मजेदार है। सितंबर 2026 के अंत तक देश में करीब 136.8 करोड़ टेलीफोन कनेक्शन थे। इनमें लगभग 131.9 करोड़ वायरलेस कनेक्शन शामिल थे।

लेकिन क्या हर कनेक्शन के पीछे एक इंसान खड़ा है? बिल्कुल नहीं!

किसी के पास दो मोबाइल हैं, किसी के पास तीन सिम कार्ड। कुछ नंबर लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहे। इसके अलावा करीब 14.5 करोड़ कनेक्शन मशीनों और उपकरणों के लिए हैं।

इनमें गाड़ियां, बिजली मीटर, सुरक्षा उपकरण और दूसरी मशीनें शामिल हैं। इन्हें मशीन-टू-मशीन कनेक्शन कहा जाता है।

अब कोई बताए कि मशीनों को भी आबादी में शामिल कर लिया जाए तो कैसा रहेगा? क्या अगली जनगणना में मोबाइल फोन और बिजली मीटर भी नागरिक बन जाएंगे?

मोबाइल कनेक्शन गिनना आसान है, लेकिन उनसे इंसान गिनना नामुमकिन है।

बैंक खातों का भी अपना गणित

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत अगस्त 2026 के मध्य तक 59 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खुल चुके थे। इनमें करीब 3.17 लाख करोड़ रुपये जमा थे।

यह वित्तीय समावेशन की बड़ी उपलब्धि है। लेकिन यहां भी एक खाते का मतलब एक आदमी नहीं होता।

एक व्यक्ति के कई खाते हो सकते हैं। कुछ खाते निष्क्रिय पड़े हैं। इसके अलावा जनधन योजना से बाहर भी करोड़ों बैंक खाते मौजूद हैं। इसलिए बैंक खातों को आबादी का पैमाना बनाना भी गलत होगा।

असली परेशानी कहां है?

देश की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि हमारे पास हाल के वर्षों की मुकम्मल जनगणना नहीं है। जनगणना केवल सिर गिनने का सरकारी काम नहीं है। यह देश की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर सामने लाती है।

इससे पता चलता है कि कितने बच्चे हैं, कितने बुजुर्ग हैं, महिलाओं और पुरुषों का अनुपात क्या है, कितने लोग पढ़े-लिखे हैं और कितनों के पास रोजगार है।

इसके अलावा मकान, शिक्षा, पलायन, पेशे और सामाजिक हालात की जानकारी भी मिलती है। सरकार इसी बुनियाद पर स्कूल, अस्पताल, सड़कें, रोजगार और कल्याणकारी योजनाएं बनाती है।

जब ताजा आंकड़े ही नहीं होंगे, तो योजनाएं किस आधार पर बनेंगी? पुराने आंकड़ों पर नए सपने कब तक टिकेंगे?

अनुसूचित जातियों और दूसरे सामाजिक वर्गों की आबादी का अनुमान भी कई बार पुराने अनुपातों के आधार पर लगाया जाता है। समय बीतने के साथ ऐसे अनुमानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आंकड़े साफ हों, तभी तस्वीर साफ होगी

फिलहाल भारत की आबादी का सबसे ज्यादा स्वीकार किया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय अनुमान करीब 147.7 करोड़ है। लेकिन यह भी अनुमान ही है, अंतिम सच नहीं।

देश का बजट, सरकारी योजनाएं, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और बुनियादी सुविधाएं सही आंकड़ों पर निर्भर करती हैं। इसलिए आंकड़ों में पारदर्शिता और नियमित सुधार बेहद जरूरी है।

2027 की जनगणना से उम्मीद है कि आबादी की असली तस्वीर सामने आएगी। लेकिन तब तक हम एक अजीब आंकड़ा-लोक में जी रहे हैं।

कहीं आधार नंबर गिने जा रहे हैं, कहीं वोटर, कहीं सिम कार्ड और कहीं बैंक खाते। हर विभाग के पास अपना हिसाब है और हर हिसाब की अपनी कहानी।

सवाल सिर्फ इतना है कि देश में आखिर कितने लोग हैं?

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब देवर्षि नारद भी फंस गए थे भगवान की माया के जाल में

श्रीमद्भागवत महापुराण और विभिन्न दुर्लभ पौराणिक आख्यानों में देवर्षि नारद और भगवान विष्णु की माया से जुड़ा यह अत्यंत पावन और रहस्यमयी प्रसंग संपूर्ण सृष्टि में भगवान की अचिंत्य शक्ति और अहंकार के नाश के उस सत्य को उजागर करता है जिसे बड़े-बड़े ऋषि-मुनि भी पूरी तरह समझ नहीं पाते हैं। एक बार देवर्षि नारद बैकुंठ धाम पहुंचे और उन्होंने भगवान नारायण से अत्यंत श्रद्धा के साथ यह प्रार्थना की कि हे प्रभु मैं आपकी उस अद्भुत और मोह माया के दर्शन करना चाहता हूँ जिसके प्रभाव से यह सारा संसार बंधा हुआ है। भगवान विष्णु मंद-मंद मुस्कुराए और उन्होंने नारद जी से कहा कि हे देवर्षि मेरी उस माया का रहस्य बहुत ही गहरा है और तुम मेरे साथ धरती पर चलो तो मैं तुम्हें उसका प्रत्यक्ष अनुभव करा दूँगा।

भगवान विष्णु और नारद जी पृथ्वी पर चलते-चलते एक सुंदर रेगिस्तान और मरुस्थल के पास पहुँचे जहाँ भगवान ने अचानक नारद जी से कहा कि मुझे बहुत तेज प्यास लगी है और तुम पास के किसी नगर से मेरे लिए जल लेकर आओ। नारद जी तुरंत उस जल की खोज में पास के एक सुंदर नगर में पहुँचे और जैसे ही उन्होंने एक राजमहल का दरवाजा खटखटाया, वहाँ के राजा की अत्यंत सुंदर और गुणवान राजकुमारी ने द्वार खोला।

राजकुमारी को देखते ही देवर्षि नारद अपनी सुध-बुध खो बैठे और वे भगवान के पास पानी ले जाना भूलकर उसी राजमहल में ठहर गए तथा कुछ ही दिनों में राजा की अनुमति से उन्होंने राजकुमारी के साथ धूमधाम से विवाह भी कर लिया। विवाह के कुछ वर्षों पश्चात जब उस राज्य पर भीषण आक्रमण हुआ और सब कुछ उजड़ गया तथा बाढ़ और तबाही के उस भयानक मंजर में उनके सारे अपने एक-एक करके बह गए, तब नारद जी एक तिनके को पकड़कर रोने लगे। तभी अचानक पानी का वह तेज बहाव थमा और भगवान विष्णु एक साधारण मनुष्य के वेश में प्रकट होकर बोले कि हे नारद क्या तुम्हें पानी लाने के लिए भेजा था और तुम यहाँ परिवार बसाकर रो रहे हो। भगवान की वह वाणी सुनते ही नारद जी की समाधि जैसी खुली और उन्हें अपनी भूल का अहसास हुआ, तब उन्होंने प्रभु के चरणों में गिरकर क्षमा माँगी और समझ लिया कि भगवान की माया का विस्तार कितना अनंत है। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि इस संसार में भगवान की माया इतनी प्रबल है कि बड़े-बड़े ज्ञानी और तपस्वी भी उसके प्रभाव से बच नहीं सकते हैं और केवल प्रभु की भक्ति ही इस बंधन से मुक्ति दिलाती है।

एक हवेली, तीन खजाने, चार मोह और जीवन का अंतिम सत्य

डॉ. दीपक गोस्वामी

राजा कोई व्यक्ति नहीं था। वह मनुष्य के भीतर बैठा अहंकार था। रानी कोई स्त्री नहीं थी, वह मन को भटकाने वाला मोह और वासना का आकर्षण थी। दोनों का साम्राज्य एक हवेली में था, जिसका नाम था–देह।

इस हवेली के तीन खजाने थे–धन, शक्ति और यौवन। तीन पहरेदार थे–मैं, मेरा और मुझे। जब तक ये तीनों पहरेदार मजबूत थे, हवेली में उत्सव था। संगीत था, रोशनी थी, मेहमान थे, प्रशंसा थी। बाहर से सब कुछ संपन्न दिखाई देता था, लेकिन भीतर आत्मा का दीपक बुझ चुका था।

एक दिन हवेली के द्वार पर एक वृद्ध आया। उसका नाम था–विवेक। वह कभी पिता बनकर आता था, कभी माता बनकर, कभी गुरु बनकर और कभी किसी शुभचिंतक की सलाह बनकर।

उसने कहा, बेटा! हवेली बहुत बड़ी बना ली, कभी अपने भीतर भी झाँक लेना। बाहर अँधेरा बढ़ रहा है, एक दीपक भीतर भी जला लेना।

राजा हँसा। बोला, बाबा! आपका जमाना चला गया। अब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता से चलती है। आप अभी भी पुराने संस्कारों की गठरी उठाए घूम रहे हैं।

विवेक ने कोई उत्तर नहीं दिया। वह एक कोने में बैठ गया। उसे मालूम था कि जिस घर में सलाह अपमान बन जाए, वहाँ अनुभव की आवाज धीरे-धीरे मौन हो जाती है।

कुछ समय बाद हवेली में तीन नए मेहमान आए। पहले का नाम था शराब, दूसरे का नशा और तीसरे का नाम था ऑनलाइन जुए और खेलों का अनियंत्रित आकर्षण।

तीनों ने राजा से कहा–हम तुम्हें क्षणभर में तनावमुक्त, लोकप्रिय और शक्तिशाली बना देंगे। राजा ने बिना परिचय पूछे उनका स्वागत कर लिया।

फिर एक दिन रानी आई। आँखों में आकर्षण, बातों में मिठास, व्यवहार में अपनापन और शब्दों में प्रेम। राजा को लगा कि जीवन की सारी रिक्तता अब भर जाएगी। उसने विवेक से कहा–मकान बेच दो, दुकान बेच दो, मुझे मायानगरी जाना है। वहाँ नया संसार बसाना है।

विवेक ने पूछा–बेटा, मकान बेच दोगे तो कोई दूसरा मकान खरीद लेना, लेकिन घर कहाँ से खरीदोगे? घर ईंटों से नहीं, संबंधों से बनता है।

राजा को यह बात पुरानी लगी। उसने हवेली की नींव की ईंटें तक बेच दीं और मायानगरी की ओर चल पड़ा।

वहाँ उसका नया व्यापार शुरू हुआ–दिखावे का व्यापार। मित्र मिले, लेकिन मित्रता के पीछे स्वार्थ छिपा था। किसी ने व्यवसाय का सपना दिखाया, किसी ने शीघ्र अमीर बनने का रास्ता बताया, किसी ने आभासी मुद्रा में रातोंरात साम्राज्य खड़ा करने का भरोसा दिलाया।

राजा ने बिना जाँच-पड़ताल, बिना कानूनी सलाह और बिना परिणाम समझे अपने हस्ताक्षर कर दिए। उसे लगा कि विश्वास ही सबसे बड़ा निवेश है। वह भूल गया कि विश्वास पवित्र है, लेकिन विवेक के बिना विश्वास भी विनाश का द्वार बन सकता है।

धीरे-धीरे रानी का व्यवहार बदलने लगा। प्रेम की जगह शर्तें आने लगीं। अपनापन नियंत्रण में बदलने लगा। राजा से कहा गया–अपने पुराने संबंध छोड़ो, अपनी पहचान बदलो, अपने माता-पिता से दूरी बनाओ।

राजा समझ नहीं पाया कि प्रेम किसी की स्वतंत्रता छीनता नहीं, बल्कि उसे सम्मान देता है। जहाँ भय, दबाव, छल और ब्लैकमेलिंग हो, वहाँ प्रेम का नाम लेना प्रेम का अपमान है।

एक दिन राजा की आँख खुली तो साम्राज्य लुट चुका था। व्यवसाय पर विवाद था, तथाकथित मित्र गायब थे, रानी जा चुकी थी और उसकी निजी जानकारियाँ तथा तस्वीरें उसे डराने का साधन बन चुकी थीं।

कर्ज बढ़ गया। मुकदमे शुरू हो गए। प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल गई। स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। नींद रूठ गई। शरीर थक गया और मन टूट गया।

जिसने कभी माता-पिता के अनुभव पर हँसी उड़ाई थी, आज वही अपने पुराने संबंधों के सामने आँख उठाने का साहस नहीं जुटा पा रहा था।

राजा के पास अब न राज्य था, न रानी, न खजाना और न सिंहासन।

वह यमुना किनारे जा बैठा। मन में जीवन समाप्त करने का विचार उठ रहा था। तभी किसी ने आवाज लगाई–बेटा, गोली लेगा?

उसने देखा, सामने लगभग नब्बे वर्ष की एक वृद्ध माता बैठी थीं। उनके पास छोटी-सी टोकरी थी। वे मछलियों के लिए गोली बेच रही थीं। चेहरे पर झुर्रियाँ थीं, लेकिन आँखों में जीवन की चमक थी।

राजा फूट पड़ा। बोला–माता! मेरा सब कुछ समाप्त हो गया। अब जीने के लिए बचा ही क्या है?

माता ने उसे ध्यान से देखा और बोलीं–

बेटा, सब कुछ समाप्त हो गया या तुम्हारे मन का भ्रम समाप्त हुआ है? धन गया है, जीवन तो नहीं गया। लोग चले गए हैं, साँसें तो अभी साथ हैं। मकान छूटा है, धरती तो अभी भी तुम्हारे पैरों के नीचे है।

राजा बोला–माता, अब क्या करूँ?

माता मुस्कराईं।

बेटा, मैंने भी जीवन में बहुत कुछ खोया है। अपने लोगों को खोया, घर उजड़ते देखे, कठिनाइयाँ झेलीं। लेकिन एक बात कभी नहीं छोड़ी–जब तक जीना, तब तक सीना।

राजा ने पूछा–माता, सीना क्या होता है?

माता बोलीं–सीना यानी जोड़ना। टूटे हुए को जोड़ना। बिखरे हुए को समेटना। अपने मन को अपने विवेक से जोड़ना। अपने परिवार को प्रेम से जोड़ना। अपनी गलतियों को स्वीकार करके अपने भविष्य को सुधारना। बेटा, जो टूटकर भी जोड़ना सीख जाता है, वही वास्तव में जीना सीख जाता है।

उस दिन राजा के भीतर एक नया जन्म हुआ। पहली बार उसे समझ आया कि मनुष्य की सबसे बड़ी पराजय धन खोना नहीं, स्वयं को खो देना है।

वह अपने पुराने घर लौटा। हवेली खंडहर हो चुकी थी। दीवारों पर समय की धूल थी। दरवाजे पर सन्नाटा था। लेकिन एक कोने में वही बूढ़ा विवेक बैठा था।

इस बार वह पिता के रूप में था।

पिता ने कोई शिकायत नहीं की। न अपमान का हिसाब माँगा, न पुराने घावों का लेखा-जोखा खोला। बस एक पत्र उसके हाथ में रख दिया।

पत्र में लिखा था–बेटा!

हम नाराज नहीं थे, हम प्रतीक्षा में थे। तुम्हारी गलतियाँ तुम्हारी पहचान नहीं हैं। तुम्हारा लौटना ही हमारे लिए सबसे बड़ा उत्सव है।

मकान बाजार में बिक सकता है, लेकिन घर पिता की छाती में बसता है। संसार तुम्हारी संपत्ति देखकर तुम्हें सम्मान दे सकता है, लेकिन माता-पिता तुम्हें तुम्हारा अस्तित्व देखकर प्रेम करते हैं।

जब जागो तभी सवेरा।

तुम्हारे लौटने की प्रतीक्षा में।

पत्र पढ़ते-पढ़ते राजा की आँखें भर आईं। उसने पिता के चरण पकड़ लिए। वर्षों बाद उस हवेली में एक ऐसा दीपक जला, जिसकी रोशनी तेल से नहीं, पश्चात्ताप और प्रेम से पैदा हुई थी।

उसने निर्णय लिया कि अब जीवन का नवाचार होगा।

लेकिन इस बार नवाचार दिखावे का नहीं, विचारों का होगा।

शराब वाले कमरे में पुस्तकालय बना। नशे वाले कोने में योग और ध्यान का स्थान बना। जुए और निरर्थक आभासी खेलों की जगह कौशल, श्रम और रचनात्मकता ने ली। टूटे संबंधों को जोड़ने का प्रयास शुरू हुआ। उसने अपनी गलतियों की जिम्मेदारी स्वीकार की, आवश्यक कानूनी सहायता ली और धीरे-धीरे आर्थिक तथा मानसिक जीवन को सँभालना शुरू किया।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 14 नवंबर 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी और वैभव के दाता ग्रह शुक्र की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर गुलाबी पुष्प और मिश्री का भोग लगाने तथा श्रीसूक्त का पाठ करने से जीवन के सभी आर्थिक संकट दूर होते हैं और अटूट ऐश्वर्य तथा सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। माता लक्ष्मी को गुलाबी फूल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में खीर का भोग लगाएं जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। श्रीसूक्त का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।



कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। मां दुर्गा का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में इत्र अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। माता के मंदिर में कमल का फूल चढ़ाएं जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शुक्रवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। दुर्गा चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। माता के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर की उत्तर-पश्चिम दिशा यानी वायव्य कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां सुगंधित धूपबत्ती जलाने तथा मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए रंगोली सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी की कृपा से घर में धन-धान्य, वैभव और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

बैंकों पर डीएम का शिकंजा, कर्ज वसूली में लापरवाही पड़ी भारी!

एनपीए घटाने से लेकर युवाओं को रोजगार ऋण देने तक के दिए सख्त निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न बैंकों द्वारा संचालित ऋण योजनाओं, ऋण वितरण की प्रगति, बकाया ऋणों की वसूली तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगारपरक योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बैंकों में बढ़ते नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (ठढअ) अर्थात गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए बैंक द्वारा जारी आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) के माध्यम से ऋण वसूली की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ऋणों की प्रभावी व समयबद्ध वसूली सुनिश्चित करने तथा सरफेसी एक्ट के अंतर्गत लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित वसूली प्रकरणों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसीलों द्वारा वसूली में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा और यदि कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उन्हें सूचित किया जाए। जिलाधिकारी ने आरसी जारी करते हुए वसूली के कार्यों को समयबद्धता रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने किसान क्रेडिट कार्ड (डउउ) योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को कार्ड उपलब्ध कराने, केसीसी ऋण वितरण की प्रगति बढ़ाने तथा कृषि क्षेत्र को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (अक्कफ) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के माध्यम से कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, साइलो, कोल्ड चेन, रेफ्रिजरेटेड ट्रांसपोर्ट की सुविधा, फसलों की ग्रेडिंग, सॉर्टिंग, पैकिंग यूनिट, प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर, किसान मंडी और सप्लाई चेन का इंफ्रास्ट्रक्चर, जैविक उत्पादों की प्रोसेसिंग, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़ी स्टोरेज व प्रोसेसिंग इकाइयां आदि हेतु ऋण प्राप्त किया जा सकता है।



बैठक में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद (डञ्ढढ) योजना तथा ओडीओसी योजना के अंतर्गत ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक पात्र युवाओं एवं उद्यमियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करते हुए अधिक से अधिक लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया जाए, ताकि जनपद में रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

- एनपीए पर लगाम लगाने के लिए बैंकों को वसूली अभियान तेज करने के निर्देश
- किसानों, युवाओं और उद्यमियों को ऋण देने में तेजी लाने पर डीएम का जोर
- स्वयं सहायता समूहों से लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक, हर पात्र को लाभ पहुंचाने की हिदायत

इसके अतिरिक्त खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, जैसे मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं माटीकला योजना आदि के अंतर्गत ऋण वितरण की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को अनावश्यक रूप से बैंक शाखाओं के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उनके ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों (रलञ्ह) के क्रेडिट लिंकेज की समीक्षा करते हुए क्रेडिट लिंकेज से संबंधित लंबित प्रकरणों को अभियान चलाकर शीघ्र समाप्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग सुविधाओं एवं वित्तीय सहायता से जोड़कर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए।

वित्तीय समावेशन के अंतर्गत जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के बैंक खाते खुलवाने एवं उन्हें योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने जनपद में अधिकाधिक वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित कराने तथा आरसीटी (रूरल ट्रेनिंग सेंटर) के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेनदेन, बचत, बीमा एवं ऋण संबंधी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा सके।

जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक बैंकिंग वसूली एवं अन्य लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति और नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंक एवं संबंधित विभाग शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध कराएं तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बैठक में उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, परियोजना अधिकारी (नेडा) एस0के0 वर्मा, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित समस्त बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिस्टम फेल देख आगबबूला हुए नगर आयुक्त, 24 कैमरे मिले बंद!

आईटीएमएस की बदहाल व्यवस्था पर सख्ती, नोटिस जारी करने के निर्देश।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा आज नगर निगम मथुरा-वृंदावन के सिटी जोन, जनरल गंज स्थित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कळटर से इंटीग्रेटेड कैमरों की लाइव फीड का अवलोकन करते हुए मथुरा-वृंदावन क्षेत्र के प्रमुख तिराहों एवं चौराहों पर स्थापित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की कार्यशीलता एवं संचालन की स्थिति का जायजा लिया गया।



निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन (फ्छश्ऊ) सिस्टम के अंतर्गत कुल 64 कैमरों में से 24 कैमरे बंद पाए गए। इसके अतिरिक्त कई कैमरों के पावर बैकअप भी सुचारु रूप से कार्य नहीं कर रहे थे तथा कुछ स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल भी सक्रिय नहीं पाए गए। इस पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कळटर परियोजना का संचालन कर रही संस्था टेक्नोसिस इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को कड़ी चेतावनी दी तथा सभी खराब कैमरों, पावर बैकअप एवं निष्क्रिय ट्रैफिक सिग्नलों को तत्काल दुरुस्त कर व्यवस्था सुचारु करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत नगर आयुक्त ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया तथा तैनात कर्मचारियों की संख्या, उनकी जिम्मेदारियों एवं कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान सिटी वाई-फाई एक्सपर्ट के रूप में कार्यरत राहुल से शहर में स्थापित वाई-फाई नेटवर्क एवं वाई-फाई हॉटस्पॉट की कुल संख्या और उनके स्थानों के संबंध में जानकारी मांगी गई, लेकिन उनके द्वारा संतोषजनक एवं सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकी।

- कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के औचक निरीक्षण में खुली तकनीकी व्यवस्था की पोल, एक तिहाई से ज्यादा कैमरे बंद मिले।
- कई कैमरों के पावर बैकअप फेल, प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल भी नहीं कर रहे थे काम।
- नगर आयुक्त ने टेक्नोसिस कंपनी को लगाई फटकार, खराब कैमरे और सिग्नल तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश।
- कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल, वाई-फाई नेटवर्क की जानकारी तक नहीं दे सके जिम्मेदार।

नगर आयुक्त ने कार्यों के प्रति लापरवाही, तकनीकी व्यवस्थाओं की खराब स्थिति एवं कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों की समुचित जानकारी न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित संस्था को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि कळटर जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी तकनीकी व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करते हुए निर्बाध एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह उपस्थित रहे।

आरोपों का तूफान, इंद्रदेव महामंडलेश्वर पद से निष्कासित

पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी का बड़ा फैसला, मुंबई पुलिस कर रही जांच

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

स्वामी इंद्रदेव महाराज के विरुद्ध महिला द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के मामले में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी ने उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित कर दिया है।

इस प्रकरण को लेकर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से लगातार कार्रवाई की मांग उठाई जा रही थी। इस अभियान में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा तथा श्री भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा ने प्रमुख भूमिका निभाई। हिंदू वादी नेता नेता संजय हरियाणा ने बताया कि प्रकरण की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने स्वामी इंद्रदेव महाराज को महामंडलेश्वर पद से हटाने की मांग को लेकर मुहिम शुरू की थी। इस संबंध में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की गई। पत्र रजिस्ट्री के माध्यम से भेजने के साथ ही फोन पर भी वार्ता कर मामले की गंभीरता से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि शुरूआत में कुछ लोगों द्वारा उठाई गई आवाज धीरे-धीरे सामाजिक मुहिम बन गई और विभिन्न संगठन इससे जुड़ते चले गए।अखिल भारतीय हिंदू महासभा उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा ने कहा कि धार्मिक पद प्रतिष्ठा के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। ऐसे मामलों में संबंधित धार्मिक संस्थाओं को गंभीरता से संज्ञान लेकर उचित निर्णय लेना चाहिए। समाज में धार्मिक संस्थाओं की मयार्दा और विश्वास बनाए रखने के लिए निष्पक्ष जांच तथा जवाबदेही आवश्यक है।



श्री भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा ने कहा कि अन्याय और गलत कार्यों के विरुद्ध समाज को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। इस प्रकरण में उनके संगठन ने भी कार्रवाई की मांग को लेकर सक्रिय प्रयास किए। अभियान को राजपूत करणी सेना इंदौर सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा अलीगढ़ के भरत तिवारी का भी सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकजुटता से ही ऐसे विषयों को उचित मंच तक पहुंचाया जा सकता है।उल्लेखनीय है कि मुंबई से एक महिला ने स्वामी इंद्रदेव महाराज पर यौन शोषण और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला की शिकायत के अनुसार, वृंदावन स्थित आश्रम में उसके साथ कथित यौन शोषण किया गया और बाद में उसे धमकियां दी गईं। मामले की जांच मुंबई पुलिस कर रही है। इसी बीच पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी ने उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित करने का निर्णय लिया।

लोकतंत्र की पाठशाला में छात्राओं की एंट्री, अब वोटिंग की बारी!

आरसीए महाविद्यालय में मतदाता साक्षरता क्लब गठन की पहल

- निर्वाचन आयोग की पहल पर छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम
- कॉलेज में ईएलसी गठन की प्रक्रिया समझाई, विभागवार छात्र प्रतिनिधियों के चयन की दी जानकारी
- फॉर्म-6 से नए मतदाता बनने तक की प्रक्रिया बताई, छात्राओं ने निष्पक्ष और नैतिक मतदान की ली शपथ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एवं युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से आज आरसीए स्नाकोत्तर महाविद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में मतदाता साक्षरता क्लब के औपचारिक गठन को समझाया गया जिसमें बहुत बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया।



डॉ. दीन दयाल ने ईएलसी क्लब गठन में कोऑर्डिनेटर, नोडल एवं सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से प्रत्येक विभाग से छात्रों का चयन करना है और उनकी भूमिका मतदाता साक्षरता क्लब में कैसे तय करनी है। डीएलएमटी मनीष दयाल द्वारा महाविद्यालय में फॉर्म 6 के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करी। उन्होंने सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय से अपील करी कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार शीघ्र अपने-अपने संस्थानों में मतदाता साक्षरता क्लब का गठन कर के उसकी सूचना जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराएं।

महाविद्यालय प्राचार्यु प्रो. (डॉ.) अंजूबाला ने ईएलसी क्लब के गठन की विस्तारपूर्वक जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्वीप टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। और अपने संस्थान में शीघ्र ही ईएलसी क्लब का गठन करने को कहा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्राध्यापकों और छात्राओं ने निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान करने की शपथ ली।

कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय प्राचार्या ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) कल्पना वाजपेई, प्रो. (डॉ.)अर्चना पाल, डॉ. मंजू, डॉ.अर्चना, डॉ.सीमा, डॉ.पल्लवी, डॉ. धर्मेंद्र एवं डॉ. सुषमा आदि स्टाफ तथा बहुत बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

नगर आयुक्त का चढ़ा पारा, लापरवाही पर कर्मचारियों की नौकरी और वेतन पर चला डंडा!

औचक निरीक्षण में खुली पोल, वेतन काटने और बर्खास्त करने के निर्देश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा आज जनरल गंज स्थित सिटी जोन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जन्म-मृत्यु कार्यालय, जलकल कार्यालय एवं संबंधित विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अभिलेखों, उपस्थिति रजिस्टर एवं जनशिकायतों के निस्तारण की स्थिति का जायजा लिया गया।इस दौरान कार्यों में लापरवाही एवं अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सर्वप्रथम जन्म-मृत्यु कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना पूर्व सूचना के कंप्यूटर ऑपरेटर अनुपस्थित पाए गए। इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित कर्मचारियों का दिनांक 12 नवंबर 2026 का वेतन काटने तथा नवंबर माह का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत नगर आयुक्त ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया एवं कार्यप्रणाली की गहनता से समीक्षा की। उपस्थित लिपिक से प्रमाण पत्र जारी करने की समय-सीमा, आवश्यक प्रक्रिया एवं संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी गई, लेकिन संतोषजनक एवं सही जानकारी नहीं दी जा सकी। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कुछ अनाधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी भी पाई गई। नगर आयुक्त ने संबंधित अभिलेखों एवं रजिस्टरों का बारीकी से परीक्षण किया तथा कार्यों में अनियमितता एवं जानकारी के अभाव पर नाराजगी व्यक्त की। संबंधित लिपिक को नोटिस जारी करने एवं अग्रिम नवंबर माह का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कर्मचारियों को चेतावनी दी कि अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं गंभीरता से करें, कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसके पश्चात नगर आयुक्त ने जलकल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की गई। शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने पर नगर आयुक्त ने स्वयं अपने मोबाइल फोन से शिकायतकर्ता से वार्ता कर वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। शिकायतकर्ता द्वारा अब तक कोई कार्रवाई न होने की बात बताई गई। इस पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपस्थित कंप्यूटर ऑपरेटर रवि कुमार को नोटिस जारी करने तथा सभी शिकायतों का गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर की जांच में केजेएल कंपनी के कर्मचारी कान्हा अनुपस्थित पाए गए, जबकि उनकी उपस्थिति भीमसेन द्वारा दर्ज की गई थी। इस अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ने दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए सेवा से बर्खास्त करने तथा संबंधित कंपनी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में प्रकाश विभाग में कार्यरत ड्राइवर ओमवीर सिंह के विरुद्ध पुलिसकर्मी के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने एवं असभ्य व्यवहार किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित ड्राइवर को सेवा से हटाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ करें। जनसामान्य से जुड़े कार्यों एवं शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नगर निगम की जमीन पर बड़ा प्लान, बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग!

जनरल गंज कार्यालय परिसर के पुनर्विकास की तैयारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा आज नगर निगम मथुरा-वृंदावन के सिटी जोन, जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर भवन की छत पर पहुंचकर बिल्डिंग के इंफ्रास्ट्रक्चर, भवन की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध भूमि एवं परिसर के संपूर्ण क्षेत्रफल का विस्तृत अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने परिसर में स्थित पुराने एवं अनुपयोगी भवनों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यकतानुसार उनके ध्वस्तीकरण (डिमोलिशन) की संभावनाओं पर विचार किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसर के पुनर्विकास के लिए एक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें मालवे को हटाकर भूमि को समतल एवं सुव्यवस्थित करने तथा उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के विकल्प शामिल किए जाएं।



नगर आयुक्त ने परिसर की उपलब्ध भूमि का अधिकतम एवं सुनियोजित उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए यहां मल्टीलेवल पार्किंग विकसित करने के साथ-साथ व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं का भी परीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसर के पुनर्विकास की योजना इस प्रकार तैयार की जाए, जिससे शहरी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पार्किंग की समस्या के समाधान के साथ-साथ नगर निगम की संपत्तियों का बेहतर एवं प्रभावी उपयोग किया जा सके।

- नगर आयुक्त ने सिटी जोन कार्यालय परिसर का किया निरीक्षण, भवन और उपलब्ध जमीन का लिया जायजा।
- जर्जर और अनुपयोगी भवनों को हटाकर मलबा साफ करने, जमीन समतल करने के दिए निर्देश।

निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह उपस्थित रहे।

नाव हादसे के बाद प्रशासन में हड़कंप, अवैध संचालन पर एसडीएम का शिकंजा

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के पारौली सिकरवार घाट पर यमुना नदी में नाव हादसे के बाद अवैध नाव संचालन को लेकर उपजिलाधिकारी फतेहाबाद ने एसीपी को पत्र लिखकर दो दिन में रिपोर्ट मांगी है।

एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने सहायक पुलिस आयुक्त फतेहाबाद को पत्र लिखकर बताया कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए कहा कि पारौली सिकरवार घाट पर नाव हादसे की छपी खबरों के माध्यम से पूरा मामला प्रशासनिक अधिकारियों के संज्ञान में आया। पारौली सिकरवार घाट पर यमुना नदी में हुई नाव दुर्घटना के समय नाविक सहित लगभग 12 लोग सवार थे। हादसे में नाव संचालक लापता हो गया है, जिसकी तलाश के लिए फ्लड टीम और गोताखोरों द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। वहीं आपको बता दें कि पारोली सिकरवार घाट पर अवैध नाव संचालन पर पहले से ही रोक थी। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने और यमुना घाटों पर अवैध नाव संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दो दिन में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: चौथे वनडे में बारिश की कितनी संभावना?



एजेंसी, माउंट मोंगानुई।

नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में कमान संभालने वाले श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले चौथे वनडे में इस प्रारूप में कप्तानी के अपने पदार्पण पर विशेष छाप छोड़ना चाहेंगे। इस दौरान भारतीय टीम की निगाह सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने पर होगी। भारत पांच मैचों की सीरीज में अभी 2-0 से आगे है और टीम में कुछ बदलाव के बावजूद वह जीत का प्रबल दावेदार है। तीसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद अब न्यूजीलैंड के पास केवल सीरीज बराबर करने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा।

न्यूजीलैंड के लिए क्यों अहम है मैच?

गिल 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज की तैयारी के लिए टीम से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह अय्यर भारत की कप्तानी करेंगे जो पहले दो मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। शॉर्ट पिच गेंदों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई हैं। न्यूजीलैंड अपनी घरेलू धरती पर भारत से सात साल पहले वनडे सीरीज में हारा था और उसे इसकी पुनरावृत्ति से बचने के लिए बाकी बचे दोनों मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कैसा रहेगा मौसम

ऑकलैंड और हैमिल्टन की सीम-फ्रेंडली पिचों के बाद अब माउंट मोंगानुई में मौसम बिल्कुल साफ रहने की उम्मीद है, जिससे हमें बिना किसी बाधा के पूरे मैच देखने को मिलेंगे और पिच भी बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। शुरूआती मैचों में पिच की मुश्किल परिस्थितियों के बाद बल्लेबाजों को एक बार फिर से पारंपरिक वनडे बल्लेबाजी शैली में लौटना होगा।

रोहित-विराट और गिल ने आकिब नबी को क्या दी थी सलाह

भारत के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल से उन्हें न्यूजीलैंड में सफेद गेंद से गेंदबाजी करते समय स्विंग के बजाय सीम मूवमेंट पर भरोसा करने की सलाह मिली थी। नबी ने कहा कि रोहित, विराट और गिल का मानना है कि सबसे ऊंचे स्तर के बल्लेबाज हिलती हुई गेंद को संभालने में काफी अच्छे होते हैं।

न्यूजीलैंड में खेलने के अनुभव पर क्या बोले?

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे से पहले नबी ने कहा, यह न्यूजीलैंड में मेरा पहली बार गेंदबाजी करने का अनुभव है। यहां थोड़ा अलग है। आपको सीम मूवमेंट पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि टॉप लेवल के बल्लेबाज स्विंग खेल सकते हैं। यह उनका फीडबैक था। अगर आप स्क्रैम्बल्ड सीम बॉल करते हैं या डेक पर हिट करते हैं, तो यहां ज्यादा विकेट लेने का मौका है।



नबी ने कहा, न्यूजीलैंड के हालात जम्मू और कश्मीर में उनके अपने घर से बहुत अलग नहीं हैं। मुझे लगता है कि मौसम के मामले में भी ऐसा ही है क्योंकि वहां भी मौसम ऐसा ही है। बस बात यह है कि विरोधी टीम थोड़ी अलग है। यह इंटरनेशनल लेवल है, वह डोमेस्टिक लेवल है। बाकी के लिए, आपको एक जैसे विकेट मिलते हैं। घरेलू क्रिकेट के अच्छे स्तर ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने में मदद की। अगर आपके पास गति है, तो यह बहुत अच्छा है। लेकिन मैं अपनी स्किल पर भरोसा करता हूं। मैंने वहां अच्छा किया है। यहां, मैं स्किल पर आया हूं। जाहिर है अगर गति है, तो यह एक प्लस फैक्टर है। लेकिन मैं अपनी स्किल पर भरोसा करता हूं। मैंने घरेलू स्तर पर जो अच्छा किया है, वह यहां भी काम आएगा।

नबी ने कहा, पिच कैसी भी हो, अनुशासन जरूरी है। आप जिस भी विकेट पर हों, आपको अच्छी गेंद डालनी होती है, चाहे वह मददगार सरफेस हो या फ्लैट विकेट। आपका मकसद गेंद को अच्छे एरिया में डालना होता है। उम्मीद है, जब विकेट से फायदा हो, तो आपको उस पर भी बहुत ध्यान देना होगा क्योंकि अगर आप अनुशासित नहीं हैं, तो आप उस पर भी रन दे सकते हैं।

विश्व कप खेलने पर हैं नजरें?

भारतीय गेंदबाज ने कहा, हम गेंदबाज एक-दूसरे से बात करते हैं कि किस विकेट पर कैसे गेंद डालनी है। क्योंकि न्यूजीलैंड में बहुत सारे ड्रॉप-इन विकेट हैं। मेरा रिकॉर्ड अच्छा है। मैंने जम्मू-कश्मीर के लिए व्हाइट-बॉल भी खेला है। सच कहूं तो, मुझे व्हाइट-बॉल में बुलावे की उम्मीद नहीं थी। मुझे रेड-बॉल में बुलावे की उम्मीद थी। यह मेरे लिए अपनी स्किल्स दिखाने का एक अच्छा मौका है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज नए खिलाड़ियों के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी क्षमता दिखाने का एक मंच है। मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करके बहुत खुश हूं। यह हमेशा से मेरा सपना रहा है।

टेस्ट सीरीज से पहले भारत को मिली राहतः बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने पंत को फिट घोषित किया

एजेंसी, नई दिल्ली।

फिटनेस को लेकर हफ्तों तक चली अनिश्चितता के बाद ऋषभ पंत गुरुवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। वह शुक्रवार को वेलिंगटन में भारतीय टेस्ट टीम से जुड़ेंगे, जहां 19 नवंबर से सीरीज की शुरूआत होनी है। पंत साइड स्ट्रेन से उबर रहे थे और उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लीयरेंस मिल गई है।

पंत ने शेयर की फ्लाइट की फोटो

जानकारी के अनुसार, बंगलूरू स्थित सीओई में लंबे समय तक रिहैब प्रोग्राम पूरा करने के बाद, मेडिकल टीम से मंजूरी मिलने पर पंत गुरुवार सुबह न्यूजीलैंड के लिए निकल गए। सूत्र ने बताया, पंत आज सुबह न्यूजीलैंड के लिए रवाना हुए और सिंगापुर से कनेक्टिंग फ्लाइट के जरिए वहां पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि वह सिंगापुर से भी निकल चुके हैं। न्यूजीलैंड के समय के अनुसार वह सुबह जल्दी और भारतीय समय के अनुसार तड़के वेलिंगटन पहुंच जाएंगे। पंत ने इंस्टाग्राम पर फ्लाइट की फोटो भी शेयर की है।

ईरानी कप के दौरान चोटिल हुए थे पंत

पंत एक से चार अक्तूबर के बीच श्रीनगर में शेष भारत टीम की कप्तानी करते हुए ईरानी कप के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद वह 23 अक्तूबर से बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब से गुजर रहे थे। जब वह सीओई पहुंचे थे, तब तक उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम और टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम में भी चुन लिया गया था। हालांकि, उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर था।

पंत को इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहले दो चार दिवसीय मैचों से बाहर कर दिया गया था और फिर उन्हें 7-10 नवंबर के बीच होने वाले तीसरे मुकाबले के समय पर रवाना होना था। हालांकि, उनके रिहैब को बढ़ा दिया गया क्योंकि बीसीसीआई की मेडिकल टीम चाहती थी कि फिटनेस असेसमेंट के हिस्से के रूप में पंत सीओई में थोड़ा और समय बिताएं। वेलिंगटन में पंत टेस्ट टीम के साथ जुड़ेंगे, जिसमें कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी शामिल हैं, जो टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए पांच मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मैच के बाद वनडे टीम से अलग होकर रवाना हुए थे।



क्यों बढ़ी टीम प्रबंधन की चिंता?

पंत 19 नवंबर से वेलिंगटन टेस्ट खेलने को लेकर आश्वस्त होंगे, लेकिन उनका देर से पहुंचना टीम मैनेजमेंट के सामने एक सवाल खड़ा करता है। क्या वे प्लेइंग-11 में पंत और ध्रुव जुरेल दोनों को चुनेंगे, जिन्होंने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ इंडिया ए की कप्तानी की थी? या फिर वे दोनों विकेटकीपरों में से केवल एक को चुनेंगे और इसके बजाय साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों को मौका देंगे? जुरेल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक बनाया था, जबकि साई सुदर्शन के नाम पांच पारियों में 91 और 88 के स्कोर थे और पडिक्कल ने भी पांच पारियों में 199 और 80 रन बनाए थे।

भारत के लिए अहम है सीरीज

यह सीरीज भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि न्यूजीलैंड पहले स्थान पर है उसके बाद दक्षिण और ऑस्ट्रेलिया का नंबर है।

करियर की शुरूआत में डबल रोल निभाने में क्या आई चुनौती, शनाया कपूर ने बताया

अभिनेत्री शनाया कपूर ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' सीरीज में अपने करियर की शुरूआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निमार्ता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी।

शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ 'बिहाइंड-द-सीन्स' (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए 'आंखों की गुस्ताखियां' फेम अभिनेत्री ने लिखा, ह्यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे करियर की शुरूआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी।ह

उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर नेतृत्व वाली टीम तक आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक ??पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद।

उन्होंने आगे कहा, ह्लपूरी क्रू टीम का धन्यवाद—इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और मुझे पता है कि हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता।ह

शनाया ने सभी से शो देखने की अपील की और लिखा, ह्लकृपया कल जियोहॉटस्टार पर हमारा शो ह्यस्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्कह्ल जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।ह

ह्लस्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्कह्ल 2012 की कैंपस-रोमांस फ्रेंचाइजी को एक सस्पेंस से भरी मर्डर मिस्ट्री के रूप में पेश करती है। इस सीरीज के साथ शनाया कपूर ओटीटी (ओटीटी) पर डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह जुड़वां बहन आयशा और अदिति मलिक के डबल रोल में नजर आएंगी। करण जौहर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह हिंदी थ्रिलर सीरीज 13 नवंबर को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी।



गनमास्टर जी9 का ट्रेलर जारी: परिवार को लेकर जुनूनी हुए इमरान हाशमी

इमरान हाशमी और जेनेलिया देशमुख स्टारर फिल्म 'गनमास्टर जी9' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्शन, रोमांस और ड्रामा की झलक दिखी है। इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना अलग अवतार में नजर आए हैं।

ट्रेलर में क्या है खास?

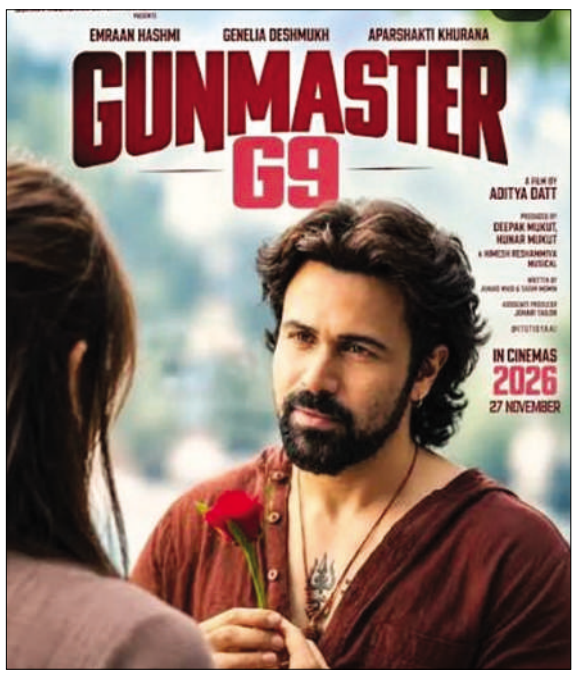
लगभग पौने दो मिनट के ट्रेलर की शुरूआत इमरान हाशमी की आवाज से होती है, जो अपनी ही कहानी सुना रहे हैं। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि वह अपने परिवार के साथ अच्छी जिंदगी गुजार रहे होते हैं। इस बीच उनके परिवार के साथ कुछ गलत होता है। इसके बाद वह दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हैं।

रोमांटिक अंदाज में नजर आईं जेनेलिया

ट्रेलर में अभिनेता एक बेहद दमदार और आक्रामक अवतार में नजर आ रहे हैं। इससे पता चलता है कि उनका किरदार अपनी भावनाओं के चलते किसी भी हद तक जा सकता है। ट्रेलर में इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख भी हैं, जो एक दिलचस्प रोमांटिक एंगल की झलक देती हैं।

नेगेटिव किरदार में नजर आए अपारशक्ति खुराना

अभिनेता अपारशक्ति खुराना एक ऐसे नेगेटिव किरदार में नजर आ रहे हैं, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। यह कहानी में एक गहरा और डार्क मोड़ लाता है। ट्रेलर गनफाइट, हाथापाई, रोमांस और संगीत से भरपूर है।



कब रिलीज होगी फिल्म?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान हाशमी ने इस फिल्म के लिए कड़ी तैयारी की है, जिसमें मार्शल आर्ट्स, गन शूटिंग और एक्शन दृश्यों के लिए जरूरी शारीरिक मेहनत शामिल है। यह एक्शन-रोमांस फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

'गनमास्टर जी9' में इमरान हाशमी, जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना के साथ अभिषेक सिंह हैं। इसे दीपक मुकुट, हुनर मुकुट और संगीता अहीर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के निर्देशक आदित्य दत्त हैं। फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने दिया है। उन्होंने गानों को आवाज भी दी है।

निकोल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, फ्रेंच फिल्म अकादमी देगी अवॉर्ड

फ्रेंच अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि हॉलीवुड स्टार निकोल किडमैन को 52वें सीजर अवार्ड समारोह में 'मानद सीजर अवार्ड' दिया जाएगा। फ्रेंच अकादमी ने एक बयान में बताया कि 'बिग लिटिल लाइज' की अभिनेत्री को यह सम्मान 25 फरवरी, 2027 को होने वाले समारोह में दिया जाएगा।



क्यों दिया जाता है मानद सीजर अवार्ड

फ्रांस की राष्ट्रीय फिल्म अकादमी की तरफ से सिनेमा जगत में आजीवन उपलब्धियों और योगदान के लिए दिया जाने वाला एक मशहूर अवॉर्ड है।

कब मिली अभिनेत्री को पहचान?

43 साल से ज्यादा के अपने करियर में किडमैन ने 1983 के ऑस्ट्रेलियाई हॉलिडे ड्रामा 'बुश क्रिसमस' से एक्टिंग की शुरूआत की थी, लेकिन 1989 में आई फिल्म 'डेड काम' से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली।

निकोल किडमैन की बेहतरीन फिल्में

इसके बाद उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर और समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्मों में काम किया है। उनकी शानदार फिल्मों में 'डेज ऑफ थंडर', 'मौलिन रूज!', 'आइस वाइड शट', 'रैबिट होल', 'ऑस्ट्रेलिया', 'कोल्ड माउंटेन', 'द किलिंग ऑफ अ सेक्रेड डियर' और 'बॉम्बशेल' शामिल हैं।

किन निर्माताओं के साथ किया काम?

किडमैन ने स्टेनली कुब्रिक, जेन कैंपियन, लार्स वॉन ट्रायर, बैज लुहरमन और योर्गोस लैंथिमोस जैसे कई फिल्म निमार्ताओं के साथ काम किया है।

किस किरदार के लिए मिला ऑस्कर?

उन्होंने 2002 के ड्रामा 'द आवर्स' में मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ का किरदार निभाने के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अकादमी अवार्ड (ऑस्कर) जीता था।

किन शोज में आईं नजर?

छोटे पर्दे (टीवी/ओटीटी) पर, वह 'बिग लिटिल लाइज', 'द अनडूइंग', 'नाइन परफेक्ट स्ट्रेंजर्स' और 'द परफेक्ट कपल' जैसे लोकप्रिय शोज में नजर आ चुकी हैं।

'टॉक्सिक' में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं कियारा आडवाणी, अब बताया कैसा था सिद्धार्थ का रिएक्शन

बॉलीवुड में शादी के बाद अभिनेत्रियों के ऑनस्क्रीन किरदारों और उनके फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासकर जब कोई अभिनेत्री शादी और मां बनने के बाद पर्दे पर बोल्ड या इंटीमेट सीन करती है, तो उसे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।ऐसा ही कुछ कियारा आडवाणी के साथ भी हुआ, जब फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके इंटीमेट सीन को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि इस मामले पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा का क्या रिएक्शन था।

क्या बोलीं कियारा आडवाणी?

'कॉफी विद करण' सीजन 9 में सिद्धार्थ के साथ पहुंचीं कियारा ने बताया कि शादी और मां बनने के बाद फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन चुनावों को लेकर इंटरनेट पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। कियारा ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर हो रही बातों से सिद्धार्थ को कोई फर्क नहीं पड़ा।

उन्होंने इस मुद्दे को कभी परेशानी नहीं माना और न ही इस बारे में उनसे कोई सवाल किया। अभिनेत्री ने कहा, 'उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। उन्होंने कभी इस बारे में बात नहीं की। हमने इस पर कभी चर्चा भी नहीं की। इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ा और वह बिल्कुल भी परेशान नहीं थे।'

ऑनलाइन हुई ट्रोलिंग पर क्या बोलीं कियारा?

सोशल मीडिया पर हुई आलोचना को लेकर कियारा ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को इस तरह की बातों का सामना दशकों से करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'यह कई वर्षों से, दशकों से होता आ रहा है। ऐश्वर्या से लेकर कई शानदार अभिनेत्रियों को इसका सामना करना पड़ा है।'

कियारा ने यह भी बताया कि उस समय उन्हें अपनी तरफ से कोई सफाई देने की जरूरत महसूस नहीं हुई, क्योंकि इंटरनेट पर कई लोग पहले ही इस दोहरे रवैये पर सवाल उठा रहे थे।

'टॉक्सिक' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन से निराश थीं कियारा

शो के दौरान कियारा ने फिल्म 'टॉक्सिक' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म की शुरूआत अच्छी होने के बावजूद इसका उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करना उनके लिए काफी निराशाजनक था। अभिनेत्री ने ओपनिंग वीकेंड को याद करते हुए इसे दिल तोड़ने वाला अनुभव बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के नहीं चलने से वह काफी निराश थीं और उनका मनोबल भी गिरा था।

हालांकि, अपने किरदार के लिए मिली तारीफों से उन्हें हिम्मत मिली। कियारा ने कहा कि इस फिल्म में अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर काम करना उनके करियर के लिए अहम रहा।

उन्होंने इस भूमिका को अपने करियर का एक परिभाषित करने वाला किरदार बताया।

बता दें कि 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी से पहले विजय देवरकोंडा-रश्मिका मंदाना और सैफ अली खान-करीना कपूर खान भी नजर आ चुके हैं। इस सेलिब्रिटी रियलिटी शो का यह आखिरी सीजन है। शो का नया एपिसोड बुधवार शाम 7 बजे जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

